**\*** 

রা | -1 -1 I রা গা মপা । মা গা -রা তে সা রা নি০ শি o О 0 0 রা शा मा मिशा शाशा I शा शशा शा मा १ রা নি শি০ জা গি র চি০ তে স্† রা গরা | সন্† রারগরা I সন্† मा -1 | -1 রমা রা লি০ চাঁ০ দে র০০ সাo থে О মে০ БŤ গা মা | -গা ধপা -ধা I পা -1 রা র সাত ০ মি 0 মি আ তু II नी नी नर्ता । नी नी -श I -नी -१ তোমারি০ ও গ† О O 0 0 স্থি স্থানি স্থান্থ I স্থান্থ বিজ্ঞান্ত ভো মারিত ও গাতন্ আ মাত রি এ০প্রাc গর্রার্গণির্রা । স্বানধা-পা 🛽 পধা ধ্সা ধা তা০ রা০ তে বাঁ০ ধাত যেত ন ক এ০ পা | পা পা পধা I পা পদা पंধা | -পা ম গা মা ન হু জা০ না০ র গোত না যে জ ସ୍ଥ নধা | পা রগা না নুস্ মগা মা I রা ₹ হা রাত তে Бtо না ০ বে জ্০ ত্ত न्मा | -धन्। -मा ना ना ना ना ना ना না না মি ০ ০ আ০ ০০ র আ মি ত

ता | ता ता ता I ता तंशा গা বিগারসাসা 🛚 সরা **∕II** ₹ বা আ কাত 147 তা দে  $\mathfrak{T}$ মে কোত কিত **₹** 0 গা | গমা রগা -মা I গা মা -1 | -1 সা -91 T +- + नी 0 0. আ ব্ স্ গ০ বেত ব্ লে 0 পধা । পৰ্মণা ধা মা মপা পা I পা -ধা পা । মা গা মা । ত ত মি০০ ল নে এ ক্ ₹ য়ে যে ન ŊО রা | রা -পূা -1 II সন্গরা সন্গ | সা -1 রা রগা ছি তু০ মি ছি০ মিo 0 0 আ ₹ লে পনা নস্। धा नर्भा -नधा I পা -া -া -া -া -1 I লোত ক ০ ছা য়াত ০০ তে 0 0 0 পना नर्भा । धना धभा भा । ना ना नर्भा ना मर्भ मा ছাত য়াত ত্যে সে কোনু মায়া তে লোত ক ০ धा | त्र्रे - ¹ - ¹ I त्र्रित्र्रिश्त्रे | म्र्नाधनानर्मा I ধরণ ধা ০ ম নে০ ম০ নে০ নি০ রা০ ম ম নে নে০ O - '!-'' -' I প**રાકર્માર્મના ! શ** બા-કા I না স্ তে ০ ০ ০ ০ ক০ ত০ না০ স্ব প ন্ লা পধাধদাদিনা | ধপামগা-রগা I রা রমা গরা | সন্বারগরা I ক০ রে০ ছি০ ব০ প০ ০ন্ন য়০ নে০ ন০ য় ন০০ ना - १ | - १ - १ | मा ता शो मा | - नाक्ष्णा-क्षा I সন 1 0 মি আমার আতে ৫ পাo ত্য 0 0 তু 0 -1 -1 -1 -1 -1 II II 21 মি , 0 0 0 0 0

পান্থ-পাখীর ক্লান্ত পক্ষ সম কণ্ঠ আমার সহসা থামিতে চায় গানের প্রশরা আর আমি প্রিয়তম বহিতে পারিনা পারিনা বহিতে হায়। সুন্দর! মোর অঞ্চ-সাগর-জলে ফুটিয়েছি মোর সঙ্গীত-শতদলে আমার ব্যথার গহন পদাবনে গানের কমল ফুটিয়া টুটিয়া যায়। মোর ব্যথা শুধু মোর হয়ে থাক প্রিয়, কাঁটারে ভেবো না কমল ফুটেছে বনে; তোমারে যা দেবো সে যে শুধু ফুল নিও ভালো নাহি লাগে ছিঁড়ে ফেলো আন্মনে। যে পাখী তোমারে শুনায়েছে শুধু গান তারই বুকে হানো হানো প্রিয়তম বাণ সেই ভালো ওগো ক'রো নাকো অভিমান গানের পশরা ঢেলে দিন্তু তব পায়।

পমা মপ্রণা -পদা I পমা -পা 21 21 II পা ০ খী০০০০ ব্ ক্লাত ન્ পা ন श्रा - ए । 7.1 জ্ঞা -1 I বা মা ন্ আ ম o স ঝা ঝসা সঝা I न्। -मा -1 -1 সা সজ্ঞা জ্ঞা য়্ সা থা মি০ তে০ БТ স ₹ 0 -931 -জা জ জ সা সা র্ মি প্রিত গা নে ব্

R—কণ্ঠ আমার থামিতে চায়

-भा मभा | भा भग भा । मभा भा । मभा भना ना I য ০ ৰ হি০ তে পা ০ রি না ত 91 ना नर्भा पनर्भा ना नर्भा ना ना ना ना ना ব হি ০ তে০ হা যু ০ ০ ০ ০ ৫ - কণ্ঠ আমার থামিতে চায় II পা - ' পা | - ' মজো-মা I মা - পা পা | - ' মজো - মা I ન્ ব মোত 잫 ন্ Ħ র হে০ o স্থ W র অ × সা গo র জ লে পর্ব র্ব । স্ব বা - धপা I পধা পধবা বা । - । পধা ধবা I ফুটি০ য়ে ছিমো০র সং০ গী০০ ত ০ শ০ - ' | - ' - ' ' I জ্ফামা-পা | পা পা - ' I ধা পা লে 0 0 0 0 আ০ 211 র ব্য থা ख्या मना ना मना प्रभा - खाखा 🛘 ता मा - १ - १ - १ 📑 হ০ ন০ প০০০ দ্ব ব त्म ० ० ० ० 10 मा -छा | ता छता -भा I क्या भर्तार्ता | मा मछता छता I সা টি০ য়া টু T o গা নে র্ ক ম ল ফু রা 1 -1 -1 **-**901 -1 II

য়্

যা

0

A .. .

II शा-मा शमा | शा-मा - प I - प - प - प - प মোর্ ব্য ০ থা 0 О О o o 0 ख्या I मा - भा भर्मा । भा मश 41 म সা পা -দা થાં যো ব্য যো র ₹o র • ধু 24 ना -1 ı -1 -1 -1 I 91 91 পা । পা F কা টা প্র Ŋ o 0 0 О ব্নে ভে ব मा-शा | मा शामशा I जना शा - १ - १ - १ মা ফুটেছে০০ ক ম ল ব ০ নে 0 1 মা মা মা I মামপা-মপা | -মজাজ সা সমা মা তো মা০ যা 64 4 শে যে**০** ০ ফু ০লু তা রে সরা রঃ মাঃ া -া -া ∎ সাসজাজা 1 জ্ঞা জর ভা ল০ হি नि० ७ ० o О O না ent o -4 1 সা সক্তা ক্তঞ্জা | ঋা সা -1 -1 ছিঁডে ফে০ न আ ন য নে o 0 মা পৰ্মা সাঁ । ৰ্মা ৰ্সা ৰ্শা I না স্থা **5**1 W মা Mo খী তো মা যে রে না ০ 9 য়ে O ছে না-ৰ্সা-ৰ্সা -4 -4 -i I %if ৰ্মা ঋা alte alt ₹ 0 0 ন তা র ৰু কে **গা** o o श्री र्मश्री र्मश्रीकरों | काश्री श्रीमी मी I र्मश्री ना -मी I -1 -1 নো হাতনোতত প্রিত য়ত ভ ¥ο বা o o

র্ণ | জর্ণ - ণ - ণ মা - ণ - ণ - ণ ঋর্মণিজ্জ ণা ০ ০ ০ ০ ৩০ গো০ 0 ₹ ভা ল О সে দাি ভর্গ রা | ভর্গ -া -া I দণা ণদাি দাি | দর্শাণদাণ দর্ভরেশা I ০ কো০রো০ না কো০ ২৭০ ভি০০০ সে ₹ ভা ল 0 -५ -५ | -५ -५ -१ **। अलार्मा -१ | र्मणाला आ**रा স্ব ००० म् शांठ स्त त्र १० म ম্† 0 ना | পना মপা म भा - ज्ञा - १ | - १ - १ IIII ० ० ० ० ३ मि পা হৃত তত বত তে লেত

R-কণ্ঠ আমার থামিতে চায়

কোটে ফুল পাখীদল গান ঢালি কথা রাখো,
যাবার সে যাবে জানি তুমি শুধু কাছে থাকো;
কথা রাখো।
আজিকে দিনের শেষে
কি স্থপন আসে ভেসে
বেলা যায় যেতে দাও যেওনাকো, যেওনাকো,
কথা রাখো।
জানি ওগো জানি প্রিয়, এ গানও যে যাবে থেমে
সাঁঝের শিশির-কণা নয়নে আসিবে নেমে।
কাছে পেলে একি দায়
কথা মোর থেমে যায়
আজি মোর নীরবতা বাঁশী দিয়ে তুমি ঢাকো।

সরারপা II মপা -মা -গা | -া -া -া I সরারারজ্ঞা | -রসাস फू००० ०० ल् Mo शी **ए**० ফোত টে ০ ০ল গ - 1 어 1 - 1 어 다 I 지 - 가 가 ! লি вt О ক থা রা খো 0 6 00 o iF যা বা র দে О বে০ পা -1 -1 -1 -1 া I পধা পধপা মা 118 সরা তু০ ফা০০ ভ নি 0 0 σto -মা মা | -গামধা প্রপা I -জ্ঞা গা মা রা । -া প্র ০ ক ০ থা০০ রা o থো থা কো ন্য -সা সা 📗 📑 -† -1 TT রা R-ফোটে ফুল 0 О

ना । ना II দা म পা ना I का 91 -1 -1 -1 -1 I ক্তি मि আ কে নে র भि যে 0 0 0 0 হ্মপক্ষাজারা | - শ -1 I 31 জ্ঞা হ্মা -পা ধা না I কি০০ স্ব প ન কি 0 0 **₹** প ন আ সে 97 -1 | -1 -m ধা -1 I m मा न न পা मा । ভে দে 0 0 0 0 'আ' জি কে দি নে র 21 -1 -1 -1 -1 I 31 রা | -জা - † I জ্ঞা o o \* 野 শে 0 0 বে লা र्या ¥. পা | - ধা ধর্মার্মণা 🛘 -1 -1 1- 1--4 -1 I T মপা 0 О বে লা০ যা য় যেও তেও ধা -পা -4 | -4 - I निधानभना मा | भा मता तभा I -1 ИŤ 9 0 0 তৃত মৃতিত 🥞 Ò О যে ০ য়ো০ ধ 118 -মা গা | -মা মধা পা I মা -জা রা | - পু দু I না О কো 0 О থা রা থ 0 থা **1**1 -সা ना । - 1 - 1 I - 1 o o o R—ফোটে ফুল রা 0 থ 0 मता तथा II मथा - मा - भा | - भा - भा | मा | मता न्मा मता I ফো০টে০ ফু০০০ ০০ লু জানি০ ও গো০ জা০ নি০ - ' I সরা রজ্ঞারসা | সন্বাসরা রজ্ঞা I সা मा -ता । -1 প্রি 0 0 0 0 এ০ গাত নও যে০ যা০ বে০ ર

-1 -1 -1 -1 I T মা পা | পধা ধস রা ভা থে মে О 0 О স\* 1 ঝে র শিত শি 0 - 1 I জ্ঞামপাপদা | মপামজ্ঞ 21 ধা -মা | -পা -জা ন০ য়০ নে০ আগ০ সিং ক 91 0 o o 0 - I সা স্থা স্থা | থা -4 1 -4 -1 রা সা পধ নে মে কা ছে০ পে০ লে 0 О 0 **এ** 0 О 4 - 1 - 1 -পা | -দা মপা গ ধা -97 -† I মা মপা द (४० ८ 41 য় О 0 О ক থা ০ মো 0 -1 | -1 शा श्रम I मा -1 -1 | -1 মা -জ্ঞা म আ জি০ যা য় o О মো র্ नौ 0 0 21 -1 | -1 -1 -1 I পধা পধপা মগা | মা ন্ধা পা ব তা o 0 0 О गैं। भी ०० मि ० য়ে তৃ - १ । - १ मॅर्ज़ मर्ज़र्म I पक्षा - म पा क्षा । - भा স্ব না σt কো ০ ০ক০ থা০০ রাত ০০ ক मा | -1 না -সা

R—ফোটে ফুল রা o **গ** ০

কথা ছিল আজ রাতে আমারি বিজন কুসুম ভবনে দেখা হবে তার সাথে। আমি বসিয়া গোধূলি লগনে তাহারই নয়নে রচিতে মাধুরী সাজিত্ব তাহারই স্বপনে; মালাখানি তার গাঁথিমু সোহাগে আর নিরজনে নিজ হাতে। তখন গহন রাত্রি— ক্ষান্ত কুজন পথ নিৰ্জ্জন ঘরে ফিরে গেছে যাত্রী। আমি তাহারই স্বপন-রথে চলিমু পুলকে মধু অভিসারে ধূলায় ধুসর পথে এলো না তো হায় নিশীথে শুকায় যে ফুল ফুটিল প্রাতে।

II 21 ন্ न्। मा -† -া I পা ন্ न्। मा त्रशा - मत्रशा ছি থা ছি ক o o ল আত ০০ জ গরা -1 -1 -1 -1 I রমা মা মা I সা রা আo মা র **த** o ન রা ০ 0 পা পধা 91 গা পা -† I মা বে হ কু **₹** 0 ব নে থা 0 91 গা সা ন্ -1 | -1 পধা সরা -গরা **খা** ০ সা o 0 o থে o CH বে তাo ০ র R-कथा ছिन

**া** রা II রা রগা রা 21 -† I 21 পধা মা সর দে था ० হ বে তা র 77 খা ০ হ বে তাc -1 **।** না সা ন্য -1 মা মা I মা 24 না না মি भा o সি থে О আ ব য়া গো ধূ ৰ্মা সূৰ্বা সূণা | -† 4 14 না 1 -**5**14 -1 I 41 প হাত রি ০ তা য় ल গ নে О O o ন া পধা 24 পধা ধপা মগা মা মা I মা মপা 24 • র f5 o তেত भा ० ধ রী **শ**† জি ০ • তা ত ś ধৰ্মা 97 গা গমা গা সা ধা | -ধ্য -24 -1 I মা নি মা লা ০ থা 77 পত 7-7 0 O তা O 21 গা গা গমা গা মা গমা -24 I 21 পধা মা নি গাঁ থি ০ সো মা ना ० থা তাত র 2 **3**1 গরা | -সন্য নুসা -রগা 🛚 রা -রুমা সরা সা -না | -1 -1 ०ान नि० ० ज নি 0 4 **ज** 0 श० उ O О O 21 91 | ধ্ৰ II সা ধুসা ei. I ধ্য -পৃ 1-1 -1 সা ত্রি ত শ ₹ o ન রা O 4 গ 0 О গা -1 গা গা গা রা I গা গমা মা -1 মা নি 751 o ख ₹ জ ন প থ ০ র জ গমা-গমপা পা 21 পধা 21 মগা -পমা গা I -1 -1 ফি ঘ০ ০ রে০ গে ০ রে ছে যা০ ০০ ত্ৰী o

```
न्। -। भा ता -त्रशा I -मता -गता मा । -। भा
21
                                              মি ০
        न १४ ६ ० न ० जा ०० जि
                                          আ
ত
                                       o
                    र्भा मार्भ - १ - १ - १ - १ मा
       নধা | না
                নৰ্সা
না
       রি ০
    হা
                 9 o
                     ન
                           র
                               থে
তা
                                  O
        ना | गर्ता र्जा र्जा I मा मर्जा मंत्रा ना ना
পা
    ধা
                                               না I
    লি
       ञ्र পুo न क ग धुo षo 😉 मा
त्रगा ता - ना | -धना मना -त्रगा 1 मा -ना ना | -1 - र - र 📆
ष्o ना श् ०४ म० ०४ ० ०० ०
                                     R-আমি তাহারি স্বপন রথে
```

এবং পরের ছত্ত্র আরম্ভ করিবার সময় উক্ত ছত্ত্রের শেষের "পঞ্চম" চার মাত্রা হইবে

```
भा भा ना ना न न न न न न न न
H
   ন্
     ন্সা
                  हां यू ० ० ० ०
   ٩
      লোত
          41
              তো
   গা
         মরা বসা
                  সা - I সরারমামপা | পা
                                         21 -1 I
      গমা
                    য় নি০ শী০থে০
   9
      লোo
          না ০
              েতাত
                   হা
                                   **
                                         কা
      ধর্মা
         ना | धना ना नधा I मना-धनामना | -ता -1 I
   পধা
                  টি
                     ল ০ প্রা০০০ তে ০
                                         0 0
   সে০ ফু০
          ল
            Ψo
                                          R—কথা ছিল
```

যার লাগি তোর কাঁদেরে প্রাণ সেই তো ভগবান মন্দিরে তুই খুঁজিস্ মিছে দেখ না খুঁজে প্রাণ।

এই তো আকাশ এই তো বাতাস সবার মাঝেই তারই প্রকাশ, সবার মাঝেই শুনিস্নি কি তারই সে আহ্বান।

ও তুই মাটীর ঘরে বসত করে
ভূলিস্নি ভাই ধূলি
যদি মনের মালুষ মেলে
যাস্নে তারে ভূলি'।

তোর দেবতা তারই মাঝে তোরেই থোঁজে সকাল সাঁঝে, ও তুই অহঙ্কারে চিন্লি না ভাই কর্লি অপমান।

II পা -দা প্ৰমা া মজ্ঞা জ্ঞা 7-I রজারজা-মজা \ ঋা সা -ন1 I গি০ তো কাঁ০ দেত. ০০ যা র লা o র \*\* -† সা -জ্ঞা জ্ঞা া -রা সা -1 -4 | -4 সা I I ₹ ન્ 2 সে তো ভ বা 0 0 - 1 मर्भा पर्मा - भाग | 21 4 41 F পা কা -41 | म তুই খুঁ o জি০ ০ শ্ ન્ मि বে ম -91 -1 | -1 -1 -7 I পা ना । भा मा - शमभा -4 -1 খুঁজে ০০০ 0 0 o 0 CH থ. না | -জ্ঞা -দা - 1 I মা -4 -1 প্রা ମ୍ R---সেই তো ভগবান o 0 0 0

🗽 मा -। र्मर्था | नर्मा नका -ना I र्मा -। -र्मर्था | नर्मा नः -काः I এই ০ ভো০ আৰু কা০ শ্ এ ই ভো০ বা০ তা স पनार्गा-उद्यो । ती उद्यो - गा त्रिका - मी उद्यो - मी उद्यो । अर्थ मी - गा ঝেই ০ তা০ ০ রি প্র সo বা বু জ্ররাস্জ্রা-খা। খা খা -া I স্খাস্থা-জ্রা। খা সা-খা I गo वाo द्रभा त्वं o ७० निo म निक ना -र्जानना | नमानना -र्जक्षा I ना -र्जा -। -। -। -। II তা ০ রি০ সে০ আ০ হ্০ বা ন্ 0 0 0 R-- সেই তো ভগবান II मा छता - । ता छता - । I ता জা - 1 | রাজন তুই O भ টির О ঘ ০ ব স্ত্ বে छा - श | श श - ग I न পা -1 | ফাপা -1 I ভাই ০ ধু লি ০ বে ০ ভুলি স নি - ' - ' | 커웨 커 - ম I 지 ० य० मि 0 О 21 ০ মা০-ছ্য ষ্ নের জ्वतां ज्वां - १ । प्रशा-निर्मा ना । - शा मा । - ज्वामा ज्वन्ना ना । গে০ লে রে ০০ ভূ০ লি ০ যা০০স নে ০ তা -1 -1 | ना -1 ना I ना नना -धना | मक्षा छउमा-भना I তো র CH ভা০ ০০ ভা০রি০ ০০

ব

া | দণা ণা সা́ I সা́ সা́ -া | স্থাঁ সাঁ-ভর্গ I ᢆ 4 €to মা ৱে 3 থোঁ জে o १० কা ল্ ना-र्मा-र्भा । र्मा-१ 📭 -१ -१ | ना-र्मा-र्भा I সাঁ o o ঝে ०० गाँ ०० 0 0 0 ম্প - শ - শ | - শ ম্প্র ভর্ম জর্ম - শ | র্বা - জর্ম - র্বেশ I जू हे হং o কা ঝে ০ ০ ০ অ রে ০০ र्मर्ताती-र्र्जा ता मां ना । पा -मं -मंश्री । पा -मंश्री -पर्मा I অ০ হ ঙ্কা চি न नि० ना ०० ०० বে 0 भ का -1 | -1 -1 I शा -भा দা | পা মপা -দণা I 0 0 লি ভা ₹ 0 o ক র অ 90 00 -7 | -7 -7 পা 4 -61 -1 I জ্ঞমা মা জিমাজঝা-জঝা I মা ન્ **সে** ০ ₹ 0 0 0 O তো ভ ০ গ০ ০০ 11 t- t- t- | t-সা -4 বা ન 0 0

আমারে লবে গো চিনে
কোন্ শুভক্ষণে সে কোন্ শ্বরণ দিনে।
সেকি কোন্ সজল বাদলে
আষাঢ়ের জলকল ছলে
বকুলের ঘন ছায়াতলে
জাগরের স্বপন বিলীনে
সে কোন্ শ্বরণ দিনে।
আমারে দেবে কি দেখা
শ্বতের শেকালি ঝরনে
শীতের করুণ গানে
শ্রাথভরা কবিতা স্বপনে
আধ ছায়া মাধবীর বনে
ভামারে লবে গো জিনে।

সা ঋা -স্ণা | সা ঋা সঋজা I ঋা मा -1 | -1 -1 -† I II চি নে ० दत ল বে গোঁ০ ০ o আ মা পা মা I মপাপর্মা-ণর্মা । ণদা পা । ণদা 21 মা I পা সে o কোত ন্ o (લ οľ কো ন 3 **७** 0 ক্ষ জ্ঞমা-পমাজা | -া -রসা -ণা R-আমারে লবে গো कि 00 নে o 0 0 भा | - नार्मा - । I मीर्मा मी | - पर्मा - जर्जश्री - अर्मी I II T মা বাত ০০ দ০ ল সে কি কো কো ন্ জ o ৰ্মা -া ∎ সার্সজ্জারা ∣-জ্জা -4 | -4 -1 ষা ০ লে আ

ख्वां ख्वर्जा खर्जा । - अर्थ मी मण । मी मी मी । पर्मा - ख्वर्आ अर्मी न ० क ० न ছ লে০ म ज व वा 0 0 प 0 - १ - १ - १ - १ - १ म र्जा मंश्री मंशा | - ११ ৰ্মা -4 -Y T ব কু০ লে০ ব 0 0 0 0 0 লে ণৰ্মা **ं** भा পমা মা I श श्रा म | -श्रा -1 -1 I জা ছাত লে গ ০ বে র ঘ ٦ o য়া ত ত -ৰ্মা et I ৰ্সা মা পা मा । वा -1 -1 | -1 -1 -1 T नी স্থ প ন বি o নে 0 0 0 মপা পর্সা - ণর্সা | ণদা পা মা I জ্ঞমা - পমাজ্ঞা | - গ - ঋসা - ণা II प्ति o o o न 0 00 0 সেত কোত তন স্থত র 9 R - আমারে লবে গো मा | मा मा मा मा ना ना ना ना ना मा II সা **\***1 কি স্বা যা বে 19 বে CH গা o 0 0 O মপা I জ্ঞমা-পা-পা | -া -া -া I সা মা । মা মা \*\* o कि আ দেখা 0 0 মা রে CH বে 0 भा । भना -र्मभा পা | -পা -া -† I পা পা et I জ ত্তপা 74 লি **∛** o র 36 র ০ তে ব 0 0 ফা 0 0 97 -4 | -4 -4 -1 I W **체 - 1 | 제** ঋা **세 I** -1 শী ত্য র রু ୩ 0 নে 0 0 0 0 -1 -† I সা-সভগরা I-ভগ –সা **\*\*\*** | -**\*** -4 -† I 118 1 ০ ম লে ব্ 0 11 নে 0 0 0 0 0

```
জ্ঞমাজা | ঋা সা না া দা
                                 -মা
                                                -1
                                                    -t I
বে
    W O
         না
               ব
                   র
                       ८न
                              ফা
                                  ল
                                           নে
                                      গু
                                                o
                                                     0
স্ব
    र्मार्भ | नर्मा-छार्भ श्री I र्मा - १ - १ | - १
                                                -1
                                                     -1 I
2
    থ
         म চু० म्
                       ব
                             নে
                                О
                                    0 0
                                               0
   স্তুরা রা ভর্গ - শ - শ II তর্গুতর্মাতর্গ | রা স্প্
                                                    प्रशं ।
ঝা
    খি ০
         ভ
              র
                             ক বি০ তা
                    О
                        o
                                           স্থ
                                               9
                                                    নে০
    ৰ্মা ৰা প্ৰাপ্ত কৰি কা দ্বা কা বা বা বা বা বা বা
স্
2
     থ
         য
           চু০ ম্
                      ব নে ০ ০ আ
-91
     97
         -1 | 91 अर्भ अना I ना श्रा
                                      মা । পা
                                               পণা
                                                    म ।
     য়া
         o
              ग
                  4 O
                      বী ০
                              র
                                  ব
                                      7
                                           আ
                                               মা ০
                                                     রে
পা
    म
         मा | भा -ना -गर्भ I भा -र्भ - II
ø
     বে
         গো
            জি
                 ० ०० म ०
                          "কোন্ শুভক্ষণে দে কোন্ শ্বরণ দিনে ।" পুর্বের মত হইবে।
```

II রা

# দাদ্রা

গানখানি যদি ভালো নাহি লাগে
আমারে ক্ষম,
এ মাধবী রাতে যেয়োনাকো দূরে
হে প্রিয়তম!
বনফুল রেণু ঝরে বনপথে
উতলা স্থরভি পবনেরই রথে
ও ছটি নয়ন বারেক মিলাও
নয়নে মম।

মজ্ঞা

জ্ঞা জরা

মপা

তোমার বাঁশীতে মোর গানখানি
হবে কি সাধা,
ফ্লরাখী দিয়ে প্রাণে প্রাণে আজ
হবে কি বাঁধা ?
কুসুম দোলাতে ছলিতে ছজন
গোপন প্রেমের হবে কি কৃজন
আকাশের কোলে হাসিবে কি চাঁদ
হে নিরুপম!

জরা সা

না I

I -সরা-রমা-মজা

मि 0 21 থা ০ नि ० ন ০ভা ০ল না০ ि ठ গে প্ দৃ ন্ ন্ সা -1 T সা গা গা মা গা I আ 214 ৱে 21 o বী ٩ মা রা তে ত গা মা মা মা মা মক্তা I জ্ঞা রা সা সর্গ রা -পা H প্র ું ∘ যে না 3 কো রে ০ (₹ 21 O R--আমারে কঃ 9 97 ণধা পক্ষা II ণৰ্সা 24 I জ্ঞসা সাজপা | 3/3/ ণা -ণপা ব ফু ০ न ० রে ০ ๆ ঝ ০ রে **4** 0 ০ থে পা না 21 71 নৰ্সা স্ স 🕆 নৰ্মা ধনা ধপা I স্থ I ₹ ক ভি লা ০ <del>य</del> 0 র o প ₹ 0 নে রই থে পা পণা ধপা মা গা -1 গা I সা 1 গা মগা মা I হ ০ ि 0 ন য় ন বা মি রে লা o જ জ্ঞা রজ্ঞা রসা সরা রা -21 H ¥О নে০ Ą A O o R-আমারে ক্ষম

জা -রা | সরা -জরা সন্বা I সা -4 -4 | -4 -1 I राँठ ०० भी ० মা বৃ ভো তে o 0 -রা | সা রা -সন্গ I স† -11 গজ্ঞা ভা I শী তো মা র বা ० रङ মো র 1 ন থ। नि ० মা গা মা - 'I পথা ধন্ম দণা | ণা ণা ণথপা I গা মা কি বে সা ধা ফু০ ল০ রাণ भी मि इ О ८४० ० भाग पन । ना भा -ना I मा मभा भना । मभा मा -छा I ণে০ প্রা০ আ জ ₹ কি ০ গাঁ ০ ধা ০ 21 ८० বে ০ R-তোমার বাঁশীতে না নস্বি । ধা -**না** -**সা। না** -1 -1 -1 -† I CHT य কু रु ¥ο О О লা О o o o -পাঃ I না স্ব | না স্বা স্বা I নস্ব না নৰ্সা ধনা લડ য়্ नि ० তে জ 4 ग ० crito লা তু S Ŧ Ŋ মপা পা । পা -ধা I প্ৰা ধ্ৰুণ ণা | ধ্ৰণা ধা M I পা ক ₹o रव ० ન গোত (2 যে র φo 90 পা পণা ধা -27 মা গা I সা সগা **11** মা গা -म I সি ০ কি 7 ব কো লে হা বে ĎТ F আ রজ্ঞারসা । সরা রা -পা II R-আমারে ক্ষম নি০ ক০ 90 ম্ o

বন্ধুর পথে বন্ধুর রথ হায় মোর মনথানি নিয়ত দলিয়া যায় শেফালি ফুলের প্রায়।

আমার বেদনা আঁখিজলে ঝ'রে ঝ'রে পড়ে ফুলদলে, মোর গানখানি ধূলিতলে মূরছায় শেফালি ফুলের প্রায়। আজিও রয়েছি বসে বাতায়ন পথে প্রভাতে এ পথে চলিবে সে জানি অরুণ বরণ রথে।

আজিও আমার এ হিয়াখানি
সে চরণতলে দিব হে টানি
সে যে না চিনিয়া তারে
হয়ত দলিবে পায়।

পা-নানা সা সা মা সরা-ন্সাসা | -পা না II ব ন্ ধু র થ র প ત્વ ۹ o ০ ন্ ধু র न्मा -ता -1 | -1 -1 -† I -মা পা धभा রা ধা মা I য়্ নি হা o o যো র ম্ ন থা ০ O মা | রা সা ন্সা I সা রা -1 -1 | -1 -1 I નિ N O नि য়া ০ যায়্ o 0 মগা I রারগারগরা I मता -मन्। -धः । -न्। মা মা -1 -10 I नि.0 (\*1 ফা ফু লে০ র ০০ প্রাত 00 য়্ o र्मा मा - मर्ता । मा पा पश I পা পণা श -1 41 I আ **থি** ০ আ মা ০ র বে০ না ০ লে o शा धर्मा र्गा । श 21 রা মরা I পধা রমা মপা -মা 1 ঝ রে ০ রে ড়ে০ Ŧ न ० F O লৈত 0 o

# পুরের মালা



R—বন্ধুর পথে বন্ধুর রথ হায়

গা | গমা পা - ধা পমগা | -পা মা গা । সা সগা রগা I નિ মো বু গা০০ ন্ नि ० থা ধ • লে ০ ¥О ₹ 0 -1 | -1 -1 I 제 মা মগা | রা রগা রগরা গা মা I O C\*1 লি০ ফু ডে,০ 0 o ফা ছা 0 300 সরা সন্ধ - ধ্ঃ | -ন্ধ - ধ - 18 II R- वन्नत পথে প্রা০ ০০ যু 0 II मा मुना ने पा मुखा करा I मा मुखा करा | करता मुता बुखा I আ জি০ ৩০ র০ য়ে০ ছি ব দে ০ বা তা ০ য়০ ন০ -1 -1 -1 -# I #1 **#**1 **\*\***1 118 রা জা সা সঋা I ভা তে श 8 ٩ প থে 0 О O 0 रथ ० ণ্ৰ স্থাণ্ডা । প্ৰাদ্ধ দ্প্ৰা I ম্বা সা | ন্ সা 7931 I চলি০ বে০ সে০ জানি০ অ র ০ 9 ব - ' - ' I ∤ श्रेणा पर्मा मॅर्ज़ा | तर्मा नक्षा - श्रेक्सा I 118 স -1 1-1 আ ০ জি০ ও০ আ ০ মা০ ০র র থে 0 О 0 O 97 পश धना ণা । ধা ना ना -1 I প1 পদা দা -পক্ষা এ০ হি০ নি সে ଟ ত ০ লে **¾**| থা 0 Бο র দি০ ব০ হে টানি ০ সেযে নাচি નિ श्र ० তাত (3 o r- r- 1 r-সা I সা -জা -† II জরামাজা | রা সন্ नि ० ¥. О 0 0 ₹o Ħ বে পা

### কাহার্বা

স্বপন কুসুমগুলি ধূলাতে হবে কি ধূলি
বাঁধিয়া হিয়াতে রাখী তাহারে যাবেকি খুলি ?
আজিকে অরুণ প্রাতে
যতনে স্মরণে তুলি চকিতে যাবে কি ভুলি ?
কুসুম ঝরিয়া যায় সুরভি পবনে কাঁদে
নয়ন হারায় যারে সে এসে পরাণে বাঁধে।
না হ'তে প্রভাতী গান মিলনেরই অবসান
নয়নে শিশির তুলি ঘনাবে কি গোধ্লি ?

-21

O

-931

লি

4-14-

-4 -4 -4

-1

-1

-1

-1 1

-1 1

II সা সদা পা-দা পমা পা মজা মা I মা

কু০ সু

পমা মপা মঃ -জ্ঞাঃ | রা রমা জ্ঞরা গরা I রা

भ ० ७

۰ o

ধু০ লাত তে ে হ বেতে কিতে ধৃত লি 0 4-14-জ্ঞা জ্ঞমা জ্ঞা -ঋা । ঋা সা - ঋা I না সা -4 #1 -4 -11 fa o 3 য়া o आ 7.3 রা भी o মা পদা I মা -1 -লো-মা-1 -জা 1 -11 জ্ঞা সা <u>93</u>1 -24 -† রা তা হা বে কি খু০ লি o রে যা o o 0 0 R - স্বপন কুম্ব गा ना ना|र्भा र्मानर्मा-क्वर्श्या र्मा -1 II T আ জি তে o 0 0 0 জর্মিজর্ম - 11-1 -1 | - ণর্সা র্সা র্স্থা -1 : -1 -1 -1 I F 9 Hell মা লা o যে যা লা ० मि रश o o णा -मंग - पर्मक्षा - पर्मा | णा - मा - गा ना ना ना ना ना ना 41 -পা -কা -পা হা ০ ০০০ তে য নে o

जा जभा भना सभा । सा - जा - गा जा जा जिल्ला जा - भा प শারত থে০ তু০ লি ০ ০ ০ চ কি ০ তে ০ যা বে

স্থি - বা-গা-লা-পা-মা II नि 0 0 o

R--- মপন কুমুম

**₹** 0 2[ ঝ রি ০ য়া০ যা 0 O

ফুর ভি০ ০ 9 ব নে o কাঁত ০০ দে ০ О

ना - 1 | उठा - मा পा ना I পमा - भा मा - उठा | - 1 - 1 যা ০ ০ রে οŊ 4 **5**† রা য়ে

रव वैष 0 0 0 ০ প রা ধে o o О সে ০এ সে R-কুম্বন ঝরিয়া যায়

र्था था -र्मा | र्म्था - ज्वां था -र्म्या I ना -र्मा - १ - १ | - १ -1 -1 THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO PARTY OF THE PE ০ প্ৰ০০ ভা০তী গা০ at o ₹ ত্য 0

का का-भा भा भा - ना-भग भा गा गा-का - । - ता | - का - गा-भा - ना ा রি ন্ নে 0 সা 0 o 0 ০ অ ব

-१। पा-वर्मा-वधा नधा । धा -पा -१ -१। -भा -धा -पा -र्मा । 97 नि ০ শি ০শি ০র ছ০ 0 0 0 0 मा - जा | जा जर्म जर्ता अशा I शा - जा - ग - ग | - ग ০ শিশিও রওছ০ লি ০ ০ ০ ০ 40 मा -পা| भा-ना-भग भामा-छा-। -ता|-मा-ता-छा-मा II II রা ০ কি ০ ০গো ধু লি ০ ঘ 0 0 0 R-স্বপন কুমুম

## কাহারবা

এমনি ক'রে আকাশ ভ'রে আষাঢ় যখন আসে ছেয়ে তোমার লাগি' একলা আমি যাই গেয়ে। আমার গানে তোমার প্রাণে কী যে আনে কেইবা জানে স্থরের খেয়া এক্লা তবু

যাই বেয়ে।

গগন-ছোঁয়া মেঘের ফাঁকে আমি যেন একলা তারা স্বরের শিখায় জালিয়ে মোরে তোমার লাগি' তক্রাহারা। খুঁজি তোমায় উদাস স্থরে তবু কিগো রইবে দূরে ধ্যানের তুমি একলা কাঁদি ্তামায় চেয়ে।

R---এমনি করে

II ता-गंगता ना नं ने न्या गंना ना রা সা મ નિ বে o o o আ কা আৰাত যা চূ য খন আ **(**₹0 ० (४ ना ना - मां ना | मां - गं - गं - भा I भा - धा धभा मगा | मां - जा তোমার্লা গি О o O এ ক লা ০ আ ০ ता-भाभा-ग-ग-ग-ग II

- । II রারা-ার্সনামা - া-পা-রা I রারা-ার্সনামা - া - া - । I আ মার্গা০ নে ০০০ ভোমা র্থা০ ণে ০০০
  - গা-মা পা ধা|পা-ধা-ণা-র্রা I র্স্রার্সা ণা ধা|পা -া -া -1 I কী ০ যে খা নে ০ ০ ০ কে০ই বাজা নে ০ ০ ০
  - নানা-সান|সানা-া-পা I পা-ধাধপামগা|মা-রারা গা I হুরে র্খেয়া ০ ০ ০ এ ক্লা০ড০ বু০ যাই
  - রা-পা পা -1|-1 -1 -1 -1 II

R-এমনি করে

- I {সরারা-পামপা|মঃ ভলা-া-াঃ I ভলমা ভলা-মারা|সা া-া-ণ্ II
  গ০ গ ন্ছোঁ০ ও য়া ০ ০ মে০ ঘে র্ফা কে ০ ০ ০
  - ণাণাণ ণাণ্থাধা-নান্মা I ধ্না -সামা-গা-গ -গ -গ I আ মি ০ যে ন০ এ ক লা০ তা০ ০ বা০ ০ ০ ০

  - পাপা-1 পা|পামা-জামা I মা-পাপা-1|-1 -1 -1 I
    তোমার লাগিত ০ জা হা ০ রা০ ০ ০ ০

 গমা পা -1 পা | পা शा -11 -31 I
 মর্রা -মি 1 পা शा | পা -1 -1 -1 I

 ত০ বৃ ০ कि দেই ০ ০ রই ০ বে দুরে ০ ০ ০

 না না -মি 1 | মি 1 -1 -1 - 1 II

 পা নে বৃ তু মি ০ ০ ০ এ ক্লা০ কাঁ০ দি ০ তো মাহ

 রা -পা পা -1 | -1 -1 -1 -1 II

ता - शा शा - 1 | -1 -1 -1 II

R—এমনি করে

## দাদ্রা

এই তো বাদল মেঘের ফাঁকে
পূর্ণিমা চাঁদ একলা হেদে
স্থপন আঁকে।
শোনো শোনো ঘুমিও নাকো
আমার চোথে নয়ন রাখো
নিঝুম রাতের বিজন পাথী
মোদের ডাকে।

আজকে যেন যায়গো বলা প্রেমের প্রলাপে ফুট্লো প্রাণে যে কথাটী রঙীন গোলাপে। আজকে শোন মোর কাজুরী খেলছে নভে মেঘ বিজুরী বাদল হাওয়া নীপের বনে পুরাগ মাখে।

ा। त গা 3 \$ তো বা V মে ঘে ০ कैं। c - ' - ' | - ' - ' I ता - 'ग ता | तम मा - ' I 21 0 0 0 র ণি 0 পৃ মা ০ কে हैं। प গ্রা-গা গ্রা | সন্মা -া I রা রা -গা | মা -া -পা I দে 억 আঁ হেত 0 স্থ ন ক ato 4 4 4 4 1 II R-এই তো বাদ কে 0

II - 1 - 1 र्जा | -र्ज़र्ज़ी मंनी मी I र्ज़ा -र्ज़र्मी मी | श्री শো ০ন০ শো০ ন ঘু ০মি ও না কো মি ও না ০ ০ কো ঘূ 0 0 0 0 0 ना र्मनर्मा -र्मा । ११ ধা - । । মপা পা না । নর্মা-ধনা-মা । ন ০য়০ ০ নে মোর নু য় ন বাত্তত ত र्मा ने नान न नाम मामा मानामा ০০০০০ নি ঝ খো भ রা তে রা পা০ খী ০ মো দে রু ডা বি ન -मा भा | -धा -धा -धा -मंत्रमा भा -। । धा भा -। II গা কে ০ ০ ০ ০ মা ০ দে র ভা ডা О ረক R-এই তো বাদল II ना-र्भाग | शा भा -र्जा I मर्त्रो -र्भाग | शा भा -। I কে যে ন ০ যাত য়ুগো ব আ **জ** ল मा - १ | - भा - मभश धभा । मा - भा - ता | - १ - १ - १ । মা প্ৰে মে श ধা ना | भा ना -1 I भा -1 ना | भा का -का I

ফু

ট

न

**%** 

বে

o যে

0

রা ता - १ | - ग्रा ता ना । ना - १ | - १ | - १ | - १ | व जी গো লা পে ० न 0 0 0 О 0 -मी मी | र्ती मी - I नर्मी-र्त्तर्ङ्की-मी | -तीती र्ङ्की I কে শো ন ০ মো০০০০ বৃকা र्ता-फर्श-'|-'। -भ' -नााना-'। ना|नाना-'गा 0 0 0 0 o গে ল ছে 7 ভে 0 ना ना मी ना मी - । I नर्मा ना मी ना-ना-नधना I भ घ् वि জু রী o বাo দ ল হাও ০ ০ য়া০ भश भश - भा । मना मा - भता I तना तना - ता । मना मा - 1 I নী০পে০ র ব০ নে ০০ প০ রা০ গ্মা০ থে ता - ला | लश - शा - शा I शा - गा - गा - गा III বগা ফাঁo গেত ঘে র R-এই তো বাদল

ঐ কাশের বনে লাগলো নাচন
লাগলো কাঁপন তৃণে তৃণে
এবার তোমায় নিলাম ওগো চিনে।
তোমার প্রাণের একতারাতে
গান গেয়ে চাই প্রাণ হারাতে,
গানের মালা দিলাম গলায়
আজ কে আমার স্মরণ দিনে।
রবির আলোয় কমল ফোটে
চাঁদেরে চায় কুমুদ কলি—
এমন দিনে মন যদি চায়
না হয় হুটো কথাই বলি।
জানবো তোমার প্রেমের সোয়াদ
আমার মনে এই বড় সাধ—
এবার তোমার বাঁশী বাজায়
হৃদয় আমার নাও গো জিনে।

-† 0	II	<b>ৰ্মা ৰ্মা</b> কাশে		1	<b>দা</b> ব	<b>পা</b> নে	<b>-দা</b> ०	I	<b>মা</b> লা	- <b>মা</b> গ্	<b>পা</b> ল	1		'- <b>দপা</b> ০০	'-মপা ০০	I
	মা	-গা	-†	1	-4	-মা	-পা	I	গা	-মা	গা	1	***	সা	-মা	I
	Б	0	0		0	O	ন্		লা	গ্	ट्		<b>*</b> 1	প	ન્	
•	সা	***	গা	1	মা	-পা	-দা	I	না	ৰ্শা	না	l	म	পা	-দ†	I
	তৃ	रन	À		रन	o	O		ক†	(m)	র		ব	নে	O	
	-মা	-217	-1	1	-1	-†	-†	I	মা	গমা	-পদা	1	न	मा	-1	I
	0	o	0		0	0	o		এ	ৰা o	০ র্		তো	মা	य्	
	পদা	পদা	-617	1	मा	' পা	- <b>न</b> ी	I	মপ	া শা	-গা	١	-†	ণা	-†	II
	नि o			•	<b>v</b> 9		0			ে নে			o	<b>E</b> "	o"	

II দা দা - ' | না না ৰ্মা I ৰ্মা - স্মা ঋা | স্না স্মা - ' I I
তো মা ব্ প্ৰা ণে ব্ এ ক্ তা ৱা০ তে ০

না -না ঋণি | সৰ্ণ -ঋণি | না -স্নিদাণি পা -া I গান্গে য়ে চা ই প্রাণ্হা০ লাভে ০

মা গমা-পদা | দা দা -দা I পদা পদা-গা | দা পা -দা I
গা নে০ ০বু মা লা ০ দি০ লা০ ম্ গ লা য্

মা -মা গা | পণা ণদা -পমা II মা মা পা | পমা গা -মপা II আ জ্কে আ০০মা০র অ র ণ দি০নে ০০

II का ना - आ । ना ना I ना ना ना मा ना II व व व वा ला य क य ल का है o

-মা I পা পা -না । ণদা -† I পা -পা | মা গা গা গা লি o मू प **季** 0 য়্ **T** БΪ বে ъt टम 0

नाना-नीनाना नानाशाना शानामा थ मन् कित्र ० मन्य कि घर्

মা মা -পা | পণা ণদা-পমা I মা মা -পা | পমা গা -† I
না হ ষ্ছ০টো০ ০০ ক খা ই ব০ লি ০

 मा
 -भा
 -

# माम्बा

মনের ঠাকুর মনের মাঝে
রাখো তোমার চরণ-তরী
প্রাণের গোপন দেবালয়ে
যেন তোমার আসন গড়ি।
জ্বালিয়ে আমার প্রেমের ধৃপে
ডাকবো তোমায় চুপে চুপে,
চোখের কোণে জ্বালবো প্রদীপ
দেখবো বলে তোমায় হরি।

চন্দনেতে কাজ কি বঁধু
আমায় আমি ক'রবো যে ক্র তোমার পূজায় তন্তু আমার হোক না প্রভূ হোক না সে ক্র আমার আশা আমার তৃষা ভোমার মাঝে হারায় দিশা, জীবন মরণ জনম জনম ভোমায় যেন শ্বরণ করি।

II গহ্মা হ্মা -পা शा - शा ा काना शना - ना । काशा का - शा । ন্ধা ग ० নে র र्घ <u>ক</u> বৃ ম ০ নে০ র মা ০ ঝে -1 I न न ্ৰ । ধনা পধা -নৰ্মা । পা न न -1 পদা ণ ত০রী০ ০০ রা থো০ ভো মার О Б র 0 সা -মা I মপাপা-ধপা | -রা । গা গা -7 প্রা ণে র্ গো ન প দে ০ বা o পা পধা ধা -1 | ধনা পধা -নসৰ্ণ ধা ধা -1 -† I ধা যে **न** 0 তো গ০ ড়ি০ ০ ০ মার О o আ স্ ন্ মা - I श श श - श | श वश - व - व - व - व - व মধা ধা श জা निo য়ে প্রেমে বৃধুপে০০ ০ ০ আ মা বৃ পধা মপধুস বি-এখপা | মা গমা -রগা া মা 21 পা का -1 ডাক বেতি০০ ০০০ তো মাত οĄ ₹ Þ পে পে

```
-मा । গা গमा -मा I পा-धा পधनम्। ना
                                              সৰ্ণ
        র
           কো ণে ০
                      0
                             জা ল বো০০০
    খে
                                          প্ৰ
ना-र्मानम् र्तम् । पा पा - । I भा धा - । भ्रथ्यम् । - भम्भा I
দে খ বোততত
                     ০ তো মা য় হরি০০ ০০০ ০০
           ব লে
                                          R-মনের ঠাকুর মনের মাঝে
মা
    -1 মা মা
                 -মগা
                       রা I রা -পা মগা I গরা
                                                রা
    ন
              নে
                  00
                       তে
                              কা
                                  জ কি০
                                           বঁ ০
                                                ধু
Б
রগসরা গপমগা -রা | - বি সন্বি সা I রগা সরা -গমা | মা
                                               মা
আ০০০ মা০০০ মৃ ০ আ০
                        यि
                              কর বোত ৫০
                                      क्षा | नक्षा -नक्षा I
মা
    মা
        -পা | পা পা
                        -1 I 21
                                  ধা
তো
                              ত
                                  মু
                                      আ
                                           गां ०
    যা
       র পুজায়্
        পধা । -পমা্-गा मृता I ता -মা মপা । পা
91
    -ধা
হো
        ना ०
                              হো
                                  ₹
                                     না ০
    ₹
            00 2
    े शा शा शिवनमर्भ-धना-धा I ना ना -मर्भ | ना मर्भ - गा I
পা
আ
    মার আ শাত্তত ০০ ০
                              আ মার তৃ
नर्मा नर्मा - त्र्मि । पा - शा धपा I अशा मअधर्मा - पथना । अशा अशा अशा - गा I
                           হাতরা০০০ যু০০ দি০ শা ০
            মা ০ ঝেই
তো০ মা০ ০র
    र्मा-र्मा र्तार्ता ना । र्तार्क्डर्ता-क्रर्दर्मा र्मामा
जी
       ন
                       વ
                             জনоо मо जन
               ম
                    র
                   ধা -গা I পা ধা -গ | পধনসর্গ -গর্মণধা -পা I
ना र्मना -र्मा । गा
                                  রণ ০ করি০০ ০০০০ ০
                              স্ম
তো মা০ যু
                   ন
              বে
                        o
                                           R-মনের ঠাকুর মনের মাঝে
```

### কাহার্বা

জাগো জাগো হে জাগো
স্থপ্তি সমাধি ছাড়ি নিজিত হে জাগো।
অঞ্চর তমসা তীরে
কাঁদে বিহ্বলা এ ধরণী রে,—
উদয় অরুণ আঁখি-তীরে
রুদ্ধ তিমির দ্বার ভাঙ্গো।
স্থার্থের মহন-দণ্ডে মন্থিত জন-সাগরে।
জলে' উঠে বিষের জালা
সদাশিব জাগো জাগো রে।
অন্ধ নয়নে আঁথি জালো
দেহ আলো দেহ আলো,
লাঞ্ছিত ধরণী যে কাঁদে
সত্য শিবেরে সবে ডাকো।। \*

III স্থামা - 1 - 1 | পদাপমাপদার্সা I জ্ঞাজ্ঞজাজ্ঞজাজ্ঞরা | জ্ঞপাপপাপমামপণদা জা০ গো০০ জাগোহে০ জা০ গো স্বপ্তিস মাধি ছাড়ি নি০ দ্রিত হে০ জা০০০

পাঃ মঃ পদা সাঁ। দনা ননা নসাঁ সসাঁ। সাঁ। বা নসসাঁ সাঁ। বা সনা সজ্জা জ্ঞ জি গো০ ০০ জা০ গো অ০ শ্রুর ভুম সাভী রে ০ কা০০ দে ০ শাদে বিহ্বল।

খার্মাণ্মধাণ্মাণ্দাদ্ণা। মজি বিজ্ঞাজি জিজি বিজ্ঞামি পি মজি বিধ্বত্তীত বেত্নৰ উদ যুখ্য কণ আঁখি ভীত্ত রে ক জুত্

জ্ঞা ি সঞ্জ স্থা স্থা বিদা মা পদা স্থা -া -া | মির ছার ভা০০ কো০ জা০ গো ০ ০ R—জাগোজাগোহে জাগো

এই জাতীয়-সঙ্গীতটির স্থায়ী তুকটি গীত হওয়ার সঙ্গে সঙ্গে অন্তরাধরিতে হইবে।

II তল তলত তল তল তল তল - 1 I ণ্সাতলমাপপাদমাপা - 1 - 1 I
খাথেরি ম ছন দ ঙে ০ ০ মন্থিত জন সাগ রে ০ ০ ০

জ্ঞাজ্ঞজাজ্ঞজাজ্জজা|জ্ঞর্রাজ্ঞা-শৠর্মামা স্থামা:জ্ঞাজিসা|জ্ঞামা-শ-শ I
অ কান যানে আঁথি জাত লোত দেহ আত লোত ০ দেহ আত লোত ০

পদা দদা পপা মমা | জ্ঞাধা সা দমা দণা I ণদা পদা পদা সাঁ | পদা সাঁ -া I
লান্ছিত ধর ণীযে কাঁ০ দে দ০ তাশি বেরে দ০বে ডা০ কো জা০ গো ০ ০
R—জাগোজাগোহে জাগে

তুমি অলথ চরণে এসে বার বার অলথে যেতেছ সরি, বাঁধন ছেঁড়ার বাঁধনে আমারে নিয়ত বেঁধেছ মরি!

জেগেছি বাদলে বকুলের সাথে
ঘুমহারা মোর নয়নের পাতে
দেখা দিতে গিয়ে বিজলী ঝলকে
গিয়েছ ছলনা করি।

মোর আঙিনায় পাখী গান গায়
ফোটে ফাল্কনে মঞ্জরী,
তবু তোমারে বাঁধিতে যে ফুল তুলি'
সেই ফুল যায় ঝরি।
উড়ে যায় নভে দূরের বলাকা
তব পলায়ন ছবিখানা আঁকা,
ঘাটে গিয়ে দেখি নিরজন সেথা
নাহি সে কুমুম-তরী।

সা মপা পা 21 পধা ধর্মা র্গা সা সা সজ্ঞা জ্ঞমা I II -1 তু মি অ न ० **\*** 0 Бо 79 अ० ए<sup>क</sup> . o ধা পা পধা পা মা গারগমা I 31 মা -81 I न ० থে তে ছ০০ র বা যে 0 -1 -1 মা মপা -মা পা পা -ना । भग मभा भग I I র্ ન્ ছেঁ ₹† o o ۷ о ড়া ধ০ নে ০ o পমা মজা জা দা মা মপা পদা রা সা -4 I 41 I বেঁ০ ধে০ রি নি ম আ রে य ० उ ठ 0 সা সরা রমা মজা সা সা রা সা 1 I -1 বাঁ০ ধ০ ন০ র্ গো ০ হা রা গো 0

ा | र्मार्मर्तीर्मणा I ना भा भा भा | ना र्मार्मा মা 21 রি ম ০ জে গে০ ছি০ বাদ লে ০ ব কু স সা o ০ থে ০ ০ র 0 0 0 ঘু ম ा । ता - गा मिशा मिशा भा - शा । पा धपर्मा मिशा I পা বা ০ ঘুম্ছা০ রা মোর নয়০০ নে০ 0 97 न्ना | न्ना नना सा ा ना ना ना ना सन्मीर्मनना ा ধা দে খা০ দি ভে র পা ০ ০ দেখা০০ দি০ তে পা | পা পধা धर्भा I गर्भा मा मा | गर्मा में भर्भा भर्मा I 97 ধা বি জা০ লী০ বা০ ল কে গি০ যে০ ছ০ তে গি য়ে পমামজ্ঞা জ্ঞা | রা মা -া I -া মা সা সরারমা-মজ্ঞা I রি о в গো বাঁ০ ধ০ ন ০ न ० না **क** 0 ছ ০ পা -1 | সা -জা জা I - া | সা গা রগা I মা রা সা রি o মো আ রি গো ০ ম ব হা রা ব ম সা -ণা | স্রার্মামজ্ঞা I -রা সা -সা | সা স্ঞা গা রা য় ফোটেo না য় পা০ খী০ গা০ ন্ গা 17 -মাগধাপধপা | মগা-রগমাগা I মা -া -া | মা মপা পা I শুগু০নে০০ ম০০০ঞ্জ রী ০ ০ ডোমা০ রে

मा भक्षा | धर्मा मंगा धभा I भा भा भवा | धगा धभा मभा I বু তো০ মা০ রে ০ বাঁ০ ধি তে ত ত যে ০ ফু০ ল০ তু০ সা | গা গমা-পদা I মপা-মজ্ঞারা | সা - গ I মা লি ই ফু০ ০ল যা০ ০য় ঝ রি 0 দে भाग पथा । - भभभा - प्रमा - प्रमा - प्रमा मंत्री मी । - था था था । 21 ড়ে০ যা০ ০০০ ০০০ য় ০ উ ড়ে০ যা য় ন ভে০ र्मा -र्मा माँ माँ माँ माँ I -मा माना ना ना ना ना ना मा ত ₹ o প লা F 0 Ą ব লা কা রে র ना धनर्मा मना । ना भा शा । शा श्रेण शा । गा -4 -4 I ঘা টে ০ গি नि ছ বি০০ খা ০ তাঁ **4**1 ₹३ ता तमा मेशा शा भा भा I भा भधा धभा । मा 1 **利 I** থি নি ঘা টে ০ গি ০ য়ে CH ₫0 জ ০ (স থা मा शमा शका । मशा मछत छता । ता मा -1 | -1 म রী হি০ দে০ কু০ স্থ০ ম ত 0 0 • গো R-বাধন হারার

স্বপন দেখেছে রাধারণী 'ভখারীর বেশে এসেছে বঁধুয়া আঁখিতে মিনতি বাণী। আহা হৃদয় গলিল আঁখিও ভিজিল ं আবরি' রহিল রাই, আবার অধর বাঁকায়ে বলিল বঁধুহে কুব্জা হেথা নাই। বঞ্চিতা রাধা ধেয়ায় বিজনে হেথা এ নহে মথুরা পুরী সুখ চ'লে গেলে স্মৃতি নিয়ে শুধু হেথা নিয়ত আমরা ঝুরি। বিরহের দেশে বসতি আমার ওগো অনলেতে বাঁধি ঘর পোড়া দেহ শুধু পোড়ে না অনলে ছাই করে সন্তর।\*

II at না -সা या -या | या মাপা । পাপা শ্ব প ન્ CV গে 75 রা भा রা 0 0 ধা -ना । श भ भ ক্ষাপাপা । পা না -4 স্থ প ન્ CF থে ছে রা ধা রা 0 1 মা I -1 -1 -1 -1 - মগা -র**দা I** থাত বে 0 О 0 0 00 00 রা | -1 সা রা পা I সরা গা I A श श श 2 থাত রী ব্ য়া ٩ সে ছে ð ধু বে 7\*

এই কীর্ত্তন গানটির আধর স্বরলিপির মধ্যে দেওয়া হইয়াছে।

মা া মা -পা পা | - পা মা পা । মা গা 21 IP মধা আঁ থিত মি তি বা ণী 4 o লৈ তে 0 ব পা ধা না । ধা পা -ধা I -মা -পা -া | -া গা या I 75 যা ক র গো 0 0 0 0 (স যে মা পা -t | m ধা না I পা ধা না | ধা পা পধা I (ক रम 0 ব লে o ক্ষ মা ক র গো তোমার দা | দাদাদরি । বিশান্তর্গ -দ্না | -ধা ধা দা -24 -91 I Б র 4 ক ম লে০ 00 00 00 0 প্রধনার্মরা দা পা পা বা প্রধানা -পা - বা পা 891 I ধী শুা टग রা ০ नी o অ০০ প০ রা ধা O 0 রা 21 না | ধা পা গমা I মা পা | -1 ধা পা SH 21 I नी ক্ষ র গো আহা ন না થ হে ম্ ক গা 21 পা | - श श श **I** श ধা था । था ধা श I मी আ মি তি मीन 4 না থ্ ক হে অ भा । भा - । भा I भा না । ধা -মা 21 ধা 21 -ধা I ই भी ন Ħt 0 দে **3**45 মা ক গো 0 -24 -1 -1 **F**1 मा I मा ता রা । রা –মা রা I नि 0 o o 0 আ 21 হ 4 য় न ० ०

গুমারগাসরা I রা রা রা I সারগুমামা | গা মা মা I আঁ০ থি০ ও০ ভি िक **न प्या**य ०० ति त হি মা - বা - বা মা मा I मा भा भा भा भा भा भा भा भा मा গা ₹ অ ধ র বাঁ কায়ে০০ রা o o আ বার পা र्मा र्मा भा था था पश्या I मा था थया । थया महा -त्रशा I লি ল০০ বঁধুহে০০ কুব্জা০ হে০ থা০ যু০ - नं- । - । ना ना बाता-भा मां - भा ताता बा রা না ই হে o \*1 ₹ 0 থা না হে 0 मा | तुशा मा -मा I ता -शा मा | -भा भा भा I রা -11 ना हे इ থা ० ८इ থা ग्र् হে ০ কু **₹** জ था । था था वा ा शाधनमंत्री-मी । नर्मनाधाणध्या I পা -ধা ঞ্জি তা রা ধা ধে য়া০০০ ঘূ বি০০ জ নে০০ ব o -পাধণা | ধপামগা-রগা I মা -পা পা | - গা পা I হেত থাত যুত না ই হে ব্ জা০ **T** ना | नार्भा सर्गा शा ना -1 | -1 ना ना I 21 না রী ০ ০ থা পু ম থু রা০ ন হে -मं मां | मां मर्मती - ग्रेतमं । ना नती मां | नर्मा धना धना । নি য়ে০ 🖜০ খ্চলে গেলে০০ ০০০০ শ্ তিত

স্থ

-1 I -1 **91** -1 ধা I ন্ধা -21 পা পনা না । ধা পা નિ রি 0 0 বা 잧 0 ₹O ত আ Ŋ ধা ধপা । মা গা পা পা পা I পা মা Ι রা গা মা তি নি০ যো রা প্যু য়ে কেঁ রি • ধু য 77 श था । शाधनम्ना-शा I মা | পা পা I 2 রা গা পা আঁ থি য মু না০০০ ধু রি ₫ €\$ য ८५ -M I 21 ধা ধপা মা গা মা T ধা -617 ধা । গা ধা नि० যো রা স্মৃ তি য়ে য়া य কৃ ল ভে (भ রমা মা | গা রা গা I সা রা মা 2 সা রা গা I রিত **₹** ₹ ম রি থা ᅨ লে 2 হে কেঁ TH পা I -রা -গা -মা | -পা সর্গ পা 21 পা মা পা গি o છ গো o 0 **ক**া रि ব জা 0 হে त्र्री | -त्रा त्री त्र्रीर्भा I त्री मी मृत्री | त्री র স্ব র তিত আ মা भ ব্ রু দে শে০০ ব বি হে 3 র্ণ । দাধ্বর্জ্জ মর্গর্জ্জ । র গ্রান্থ - শা -† -1 -Y T তে বাঁ০০০ ধি০০০ র্ ঘ্ o 0 4 লে অ না | স্বান্স্বিধা I ধা স্ 97 श । 41 थना ধপা I না পো ড়ে না অ न ० লে০ ড়া হ ৩০ ধৃ০ পো CH পুমা পুধা - পুধা পা মগুরা I মা -21 **91** | -4 -1 -4 II ০০ ক রে০০ অ 0 ব ছাত ইত ০০ ন্ ত

#### তালফের্তা

## দাদ্রা

আমি

হিয়ায় রাখিতে যে পরশমণি
হিয়া না ভরসা পায়
সে বঁধুয়া মোর রাধা রাধা বলে
চরণে লুটালো হায়।
চরণে যাহার নিয়ত ছলিছে
কোটি চন্দ্র ভায়ু,
সে বঁধু আমার চরণে পড়িয়া
আমার জীবন কালু।

হৃদয়ে তুলিয়া বঁধুয়ারে মোর
কহিন্তু মু'খানি চুমি'
বড় অপরাধ ঘটালে বঁধু হে
রাধার জীবনে তুমি।
জীবনের দীপ নিভে যাবে তব্
ঘুচিবে না মোর কালি
জগল্লাথেরে দলিন্তু চরণে
ত্রিলোক দিবে হে গালি। \*

I মা পা -পা | পাপা পথণৰ্সা I ধা ণা নৰ্সা | ধণা ধা পা I হি য়া য়ু ৱাখি ভেততে সে প র০ শ০ ম ণি

পা शा मां | मां मां मंतर्गा I तां -मां -1 | -1 गा मा I हि या ना ভ व मा०० भा यू ० ० म थि

#### কাফা

ाशा II शाक्षाका-शाशा ना का शशा I का र्माना का ना II कि हाताख ० वा घ्लाजारे हि या ना ७ व मा शा

পা **ধা ধা -না পা -না ধা -পা II** হা রা য়ে ০ যা য় গো ০

এই কীর্ত্তন গানটির আথর স্বরলিপিতে লিপিবদ্ধ করিয়া ত্ইটি আথর কার্ফা তালে তালফের্তা করা
 ইয়াছে । মূল গানটি দাদ্র। তালেই গীত হইবে ।

II পা পধা ধা | পধনর্সা না -ধা I পাধনর্সরা সা | নর্সা ধনা ধপা I ধে বঁ০ ধু য়া০০০ মোর রাধা০০০ রা ধা০ বঁ০ লে০

পাপধাপধপা | মা গমা রগা II রা -রা -া | -া -া রগা III চর০ ণে০০ লু টা০ লো০ হা য় ০ ০ ০ স্থি

#### কাফ1

II মং পা পধং মপা গমা | মগা পা - া গপা I পং ধা ধং ধা ধা | পধনা - সঁঃ নর্সঃ ধনা ধপা I ছি০ ল যে ০ ম০ রণ ভা০ ল ০ আমার প্রে০মে র দেখতা লুটা ০ ০ লো০ চ০ রণে

পঃধাপঃমপাগমা।মগাপা- াপপা II
ছিল যে ম০ বৰ ভাত লোত ওগো

পধা

মা ০

21

আ

-পা মা

ব

जी

গা

ব

## দাদ্রা

স্থা - শুমু স্থার্ম স্থান্ত্র্যা বা বা মা ধৰ্মা I দৰ্শ 21 ধা II ব যা হা Б র পেত -**স**া সা | সা -রা রা I গা-রারা I -া -া I t ভা ০ ₹ o Б কো О 0 धा - 1 I अधना - मंत्री मी । नर्मधना नर्मधना - शा I ধা । ধা 91 পধা র চর০ ০০ ণে প০ড়ি০ য়া০০০ ০ মা সে đο 섴 আ

মা I

কাত

ন

গরা -গারা বি

ð

গা

সে

মা 1

যে

<b>মা</b> জী	<b>পা</b> বে	<b>পা</b> র	j	<b>হ্ন।</b> জী	<b>পা</b> ব	<b>পা</b> ন	I	<b>পা</b> কা	পা <sup>হ</sup>	-† 0	I	- <b>পা</b> ০	<b>গা</b> গে	<b>পা</b> যে	I
<b>পা</b> জী	<b>ধা</b> বে	<b>ধা</b> র	ļ	<b>পা</b> কা	<b>ধা</b> ুর	<b>ধা</b> ণ	I	<b>ধা</b> কা	<b>ধা</b> হ	<b>'-</b> 0	1	-† o	<b>পা</b> কা	<b>धा</b> इ	I
<b>স</b> ৰ্ণ ম	- <b>e†</b> ↑	-† 0	1	-† o	<b>ণা</b> দে	<b>ণ</b> যে	I	<b>ণা</b> নি	<b>র্না</b> খি	<b>র্মর্</b> রা ল ০	!	<b>ৰ্সণস</b> ছ ০ ৫	•	<b>ধা</b> ন	ľ
<b>মা</b> অ	পা গু	পা হ	1	<b>ধনা</b> তে০		<b>ধনদ</b> ্য ৰ ০ ০	1		୍ <b>୫% -ମ</b> ସ ୦	<b>%</b> 0	1	<b>গা</b> স	<b>মা</b> থি	<b>মা</b> আ	I
<b>পা</b> গে	<b>পা</b> কে	<b>পা</b> ন	-	<b>হন</b> া ম	<b>পা</b> রি	<b>-পা</b> ০	I	<b>পા</b> ના	् <del>।</del> इ	- <b>1</b>	1	- <b>1</b>	- <del>1</del>	<b>-1</b> 0	I
গা ত	<b>পা</b> বে	পা তো	-	পা চ	<b>ধা</b> র	<b>81</b> (1	I		<b>ধনস</b> 1 টাo o		-				I
<b>মা</b> প্রা	<b>পা</b> ণে	<b>পা</b> র		<b>পা</b> -	<b>ধা নঃ</b> ণ্কা		I	<b>পা</b> নাই	<b>-1</b> 0	- <b>1</b> 0	1	<b>-1</b> o	<b>সা</b> আ	<b>সা</b> মি	I
গা হ	মা দ	<b>মা</b> য়ে	1	গা ভূ	<b>মা</b> লি	<b>মা</b> য়া	I	<b>রা</b> †	<b>ग</b> ध्	<b>মা</b> য়া	[	<b>মা</b> রে	<b>মা</b> মো	-1 4	I
<b>হ্</b> † ক	<b>সা</b> হি	<b>সা</b> হ	I	<b>সর</b> া মৃ ০	<b>গ</b> া খা	<b>মা</b> নি	I	গরা ছ o	-গা ০	<b>রা</b> মি	•	-1 0	-1 o	<b>-1</b> 0	I

পা -পা I পা পণা না । धना ধা প I পা পা মা হে đο ğ ধ্ ঘ টা ০ লে 9 রা ড় অ ব मी | भी भी मीर्त्रणी I ती -गी ती | -भी -1 I পা মি 0 0 0 জী ব নেoo তু 0 রা ধা র পা পধা क्ष । क्ष ध I ना | - श भग - भा I म1 না প্ નિ ভে০ যা বে বৃ मी 0 ব জী ব নে -1 | -1 -1 -1 I धा । मंग 41 ণা -1 I ধা পা ধা লি 0 0 0 না ০ যো র কা f বে ঘু 9 I र्ता मां I ना नर्मा ना । श -রা | र्भ 9 ণা नि० র ८५ ० থে বে ħ Ŋ Б न না জ 7 | পা ধণা পধণা I ধা -পা পা | -1 -1 I -1 পা মা नि 1 0 0 मि रव ० १५०० ত্রি **7.** লো

ক্ষণিক চোখের দেখা চকিতে পথের 'পরে তাই নিয়ে ক্ষণে ক্ষণে কত আশা ভাঙ্গে গড়ে।

সন্ধ্যা তারার সাথে
তরুণ অরুণ প্রাতে
নিরজনে পথ চলে
নয়নে জ্যোছনা ঝরে।

ওকি মায়া কি স্বপন ছায়া, ওকি রৌড মেঘের খেলা, ওকি সোনার হরিণ আদে রচিতে স্বপন মেলা!

যখনি থাকে না কাছে
ভাবি গো পরাণে আছে,
পরাণ খুঁজিতে দেখি
নয়ন শোভন করে।

II	পা ক্ষ	<b>দ্†</b> ণি	ন্ <b>া</b> ক	١	<b>সা</b> চো	<b>রা</b> থে	<b>931</b> 3	I	<b>রজ্ঞা</b> দে ০	<b>রা</b> খা	- <b>স</b> † ০	•	-† o	-† 0	-† 0	I
	<b>সা</b> চ	<b>সত্তা</b> কি ০	<b>জা</b> তে	1	<b>জা</b> প	<b>জ্ঞা</b> থে		I	<b>সরা</b> প ০	<b>রাঃ</b> বে	<b>পঃ</b> ০০	1	-† 0	-† o	-† 0	I
	<b>পা</b> তা	- <b>ধা</b> ই	<b>পা</b> নি	1	<b>মা</b> য়ে	গা क	<b>মা</b> ণে	I	গা ক	<b>মা</b> ণে	-† 0	1	- <b>গমা</b> ০০			I
	<b>পমা</b> ক o	মা ভ	<b>জুরা</b> আ ০	1	<b>ভৱা</b> শা	<b>ঋা</b> ভা	' <b>স</b> া	1	<b>ন্</b> † গ	<b>সা</b> ড়ে	-† o	1	<b>-</b> † 0	<b>-1</b>	<b>-</b> † 0	II

II **₹** -দ† मा । मा ना शा **म** 91 -1 -1 -1 I म धा তা র থে রা সা 0 0 ন 0 en I श en -1 | -1 -1 মা পণা প -**†**} I রা জ্ঞা ত ক্ 9 রু ণ প্রা 0 **⋖**0 তে 0 0 0 -4 -1 I হ্মা পা ना । श - † - † I পা পদ্ধা জ্ঞা রা নি র জ নে 0 0 প थ о Б লে 0 0 সা সগা शो | मुख्या ख्वा ख्वा I मुता तुः भाः | - १ - १ II 7 ग्र o নে জো1০ ছ না০ ঝ০ রে০ ০০ 0 0 0 R-কত আশা ভাঙ্গে গডে না সা রা II 21 দৃ জা I রজারঃ -সাঃ | - শ না না I ণি ক্ষ ক চো ধে র দেও খা ০ **9** কি 0 मा - 1 - 1 - 1 I शु शूमा मा | मा ন সা সরা I মা য়া 0 0 0 o মা N O কি স্থ প न ० নুসা -নুসরা রা 🏻 -া রা ता I ता -गा গা | রা সা রা I কি ছা০ ০০০ য়া 0 જ রৌ 0 উ মে ঘে র রগা -রগমা মা । - মা মা I মা मा -भा । भा পা ধা I

কি

শো

না

র

₹

রি

9

9

থেত ০০০

লা

0

<b>পা</b> আ	<b>-र्गा</b> 0	<b>१</b> १ रम	1	- <b>ধা</b> ০	<b>-भा</b> ०	- <b>†</b> 0	I	<b>পা</b> র	_	<b>পা</b> তে		মা শ্ব	<b>গা</b> প	<b>রগমা</b> ন ০ ০	I
<b>গা</b> মে	<b>মা</b> লা	<b>-†</b> 0		-† o	- <b>†</b> 0	-† o	I	<b>দা</b> য	<b>দা</b> থ	<b>দা</b> নি		<b>দা</b> থা	<b>দা</b> কে	<b>পা</b> না	I
<b>ফা'</b> কা	<b>পা</b> ছে	-† o		-† o	-† 0	-† 0		<b>রা</b> ভা	<b>ড্যা</b> বি		-	<b>পণা</b> প ০	<b>ণা</b> রা		I
<b>পদা</b> আ o	<b>দ</b> ঃ ছে	o 0		-† o	-† o	-편1 0	I	<b>ফা</b> প	<b>পা</b> রা	- <b>পদা</b> ০ ণ্	•	<b>ফা</b> খু	<b>ন্ধপা</b> জি o	<b>পক্ষা</b> তে o	I
<b>छ्डो</b> ८५	<sup>7</sup> थि	-† 0	١	-† o	<b>-†</b> 0	- <b>†</b> o		<b>সা</b> ন		<b>9</b> 31 ન				<b>জরা</b> ন ০	I
<b>সর</b> † <sup>ক ০</sup>	র <b>া</b> বে	-পা o		-† o	-† 0	<b>-</b> † 0	IJ	II				R—	কত অ	শা ভাঙ্গে	গড়ে

কুস্থমের সম ও চরণে তব ল্টিতে দাও,
আমার নয়নে তোমার মাধুরী ফুটিয়ে যাও।
খুলে' দাও মোর হৃদয়ের দল
তোমার পরশে ফুটুক কমল—
মধু গন্ধের সঞ্চয় মোর ল্টিয়া নাও।
প্রেমের পাত্র পূর্ণ করেছি চোখেরি জলে,
ও চরণ ছ'টি ধোয়াব সোহাগে কাঁদার ছলে।
চন্দন সম হোক্ তয়ু কয়
তোমারই পূজায় হব আমি লয়,
য়াহা দেই নাই পুড়ে হোক্ ছাই,কমার চক্ষে চাও।

সা সজ্ঞা জ্ঞা|জ্ঞা জ্ঞরা জ্ঞা II জ্ঞমামপাপদা|মপা-মা-জ্ঞা II ও চ০ র ণে ড০ ব লু০ টি০ ভে০ দা০ ০ ও

পা -া -া -া -া I দা দস্যি স্থিস্থি - ণা দা I রী ০ ০০ ০ ০ ফুটি০ য়ে মা০ ০ ৬

মা মপা পদা মপা -মা -জ্ঞা II ফু টিন য়েত যাত ০ ও

R-কুস্থমের সম ও চর

- II দা দৰ্ম ণৰ্ম |- ণদা দা ণা I সম্প্ৰজিমি | সম্প্ৰজি I যুলেও দাও ওও মো বু হ দও য়ে বু দুল্
  - জ্ঞা জিজা শারণি জজা জজা I জজাজিজ মানিজ গাখণি দা I ভোমা বুণ ব শে ফুটু০ ক্ক ম ল্

  - পা দা মা|পা মা জ্ঞা I দা ণা সা|রা জ্ঞা মা II স এণ্চ য় মো ব্ লুটি য়ানা ০ ও R — কুঞ্মেৰ সম ও চরণে
- II সঞ্জা ঝা -মামা । মা I মা -পা পমা জিরা জরা জরা II
  কোত মে রূপা ০ অ পূ ০ বঁ০ কত রে ছি
  - সা সঞা সণ্|সঞা ঋমা I দুদা ণ্সা সা | সা সঋা I চো থে ০ বি০ জ ০ লে০ ০ ও ০ চ০ বণ্ ০ ছ টি০
  - ণ্ ণ্ না
     ন্ না
     ন্ না
     ন্ না
     না

-मा गामि में मंश्री I ना -मी मंख्री अप मी - 1 I হোক ত০ হু কা য়্ न् मन স মৃত

ना नाना ना - शर्मा मा मश्री शर्मा मश्री मा - उद्यो I রই পুজা য়্০ হ ব০ আ/০ মি০ ল য়্ তো মা

ख्यां - खर्ग खर्ग | - तर्ग खर्ग - खर्ग I खर्ग खर्ग खर्ग | - अर्ग मर्ग - मर्ग I দেই নাই পুড়ে০ হোক্ছাই **5**1

পা -ना भगा -भा मछा I छा -छा -मा -भा -ना -भा -। পা 24 0 0 0 0 A র চ০ ০ কে০ মা

R—কুস্থমের সম ও চরণে

## কাহার্বা

মনে যদি ফোটে ফুল

এ মিনতি মনে রেখো
ওগো প্রিয়, ওগো সাথী
বাঁশী নিয়ে কাছে থেকো।
স্থবাসে বনের বাণী
মলয়া জানাবে জানি,—
রবে জেগে চাঁদ আর
হাসি নিয়ে কাছে থেকো।

সেথা যদি বহে' যায়

আঁকা-বাঁকা জাধারা
তারি বুকে দোলে চাঁদ

দোলে স্বুখে যত তারা।
তন্তু মন কাছে পেয়ে
ও পরশে দিও ছেয়ে
মম নামে রচি' গাথা
আঁখিজলে মোরে ডেকো।

- III-ণ -ণ জ্ঞমা জ্ঞা|-ণ ঋণ সা-ণণ I সাঋণ সা-সা|-ণ -ণ -ণ I
  ০০ ম০ নে ০ ম দি ০ ফোটে ফুল্০০০০
  - স্থা মা া মা | মা জ্ঞ মা -পা মা া জ্ঞ রা -মা জ্ঞা বা -বা বা -খ না া এ০ মি ০ ন ভি ম০ ০ নে রে০ ০ খো০ ০ ০ ০ ০০

  - জ্ঞমা -পং মং গরা | গা া রা সা I সরা-জ্ঞারজ্ঞা-মা | -জ্ঞমা-পা -মপা দা II
    বা ০০ শী নি০ যে ০ কা ছে থে০০ কো০০ ০০০০

    R—মনে যদি কোটে ফুল
- II মা ণাঃ -দাঃ ণা | র্সা শ্ স্থা I ণ্রমা-জ্ঞেখার্সা- শ শ শ I ফ বা ০ দে ব নে ০ র ০ বা০ ০০ ণী ০ ০ ০
  - ণা ণা ণ ণা | সা্ ণ স্থা I ণ্সা থমা ণ সা ণ I I দ ল ০ য়া জা না ০ বে০ জা০ ০ ০০ ০ নি ০ ০ ০

পা পা -া দা/পা-াপদা-গদা I পা -মা -া -া -া -া I
র বে ০ জে গে০ চাঁ০ দ০ আ ০ ০ ০ ০ ০ র

জ্ঞমা -পঃ মাঃ গরা | গা - বা সা I সরা -জ্ঞারজ্ঞা -মা | -জ্ঞমা -পা -মপা -দা II
হাত ০ দি নিত য়ে ০ কা ছে থে০ ০ কো০ ০ ০০ ০ ০

R – মনে যদি ফোটে ফুল

পাপদা-ণদাপমা | মা - া জ্ঞরা সা I সরা-জ্ঞা-সরা-গা | মা - ነ - া I আঁ কা ০ ০০ বা ০ ০০ ০ বা ০ ০০

জ্জা জ্জা-া রা|জ্জা-া জ্জৠাসা I সা-রা-সরা-জ্জা|-া -া -া II ভারি ০ বুকে ০ দো০ লে চাঁ০ ০০ ০ ০ ০ দ

সমিনি-আনি পদিনি । কালা I পদিনি-জর্জিনিনি । নানা II ভিছু ০ ম০ ন ০ কাছে পে০০০ যে ০ ০ ০ ০

**भाभा-।भार्मामा-।मामा-भामा-।-।-।-।-।** अप्रवाहित अहित्य विकास

জ্জাজিগি-াজজাঁ|জ্জাি-ারার্সাম সা-রার্সরা-জ্জাাি-া -া -া -া ম ম ম ০ না মে ০ র চি গা০খা০০ ০ ০ ০

পা পা -া দামপা-মাজরোজা I সা -ঋা মা -া -া -া -া IIIII
আঁথি ০ জ লে০০মো০রে ডে ০ কো০ ০ ০ ০

R--মনে যদি ফোটে ফুল

গোলাপে যেখানে কাঁটা নাই আর মিলনেতে নাই বিরহ— অনলে যেখানে জালা নাই माथी (भा माथी, তোমার আমার মিলন সেখানে দিবস রাতি। ফুল ফুটে যেথা নাহি ঝরে ভ্রমর নিয়ত গুঞ্জরে, মল্লিকা যেথা হয় না মলিন হারায়ে চাঁদের ভাতি।

আর আঁধারের ন'ই কালো, গভীর নিশীথে জলে গো যেথায় চির প্রভাতের আলো। আঘাতে যেখানে ব্যথা নাহি হায় ন্যন জানে না কাঁদিতে যেথায় জলভরা মেঘ না চাহিতে যেথা চাতকেরে যায় সাধি'।

I পা পথা পা | মা গা -গমা রা I না টাত **গ**† ০ নে কা গো লা ০ পে বে -মা I রারগারসা | সাণ্ধাপা I -1 -1 11 -1 না ০ মি न ० নে ০ র্ আ প्धाध्माध्। - मा - । I পा धा मा । ता গা গো 0 0 ‡ স্ বি০ র০ হ 0 গা | রগা-মগা-রগা I রা -সা -া | -া -া I রা রগা 0 O মা o o o o o शै ० সা গো পা । মা পধা - 1 I M পা ধৰ্ম দি - পা ধা নে মি ન র মা আ মা ০ র -† II -4 -4 -4 -1 -1 I -1 পা রগা । রা গা তি मि রা 7 O

সারাটি যামিনী জাগি গোপন কথাটি কও
হাদয়ে হাদয় দিয়ে আমারে বাঁধিয়া লও।

যদি কাজল আঁখির পাশে

সজল বেদনা ভাসে

আমার আঁখির কৃলে সলিলে মিশিয়া রও।

চকোরী নিয়ত ঝুরে চাহিয়া চাঁদের পানে
আঁখিও জানে না ভাষা সে শুধু কাঁদিতে জানে।

আজি বাহুতে বাহুতে বাঁধি

এস মরম খুলিয়া কাঁদি,

মোর রাঙা প্রাণে অবগাহি

আজি অনুরাগে রাঙা হও।

রজ্ঞা রসা । সরা রা রণা 🛘 পধা -পধা পা । -া II রা े जी যাত মি নীত জ**া০** ০০ গি সা রা ০ মপারগা গমা **I** গা মা -1 I গো প ০ ন কৃত থাত টিত মা মপা I রা ত্তা F O W ষ য়ে হ W O ۹o য়ে 0 97 ध् সা সরা রমামজ্ঞা 1 রা স -1 | -1 -1 - II বাঁ০ ধি০ য়া০ আ যা রে 8 0

R-সারাটি যামিনী জাগি

<u> भाना III { नाना | नानमीं प्रीं I ना मी - | - | ना</u> य कि को क वैष्ये थि उर्जा भार्य ० ० ०

र्मा मंत्री त्र्मी । भा भा भा भा भा भा ना त्री । -। -। -छनी} प्र স জ ০ ল ০ বে দ না ভা ০ সে ০ ০ ০

রি সি - পা | ধা পা মা II জোরা - | | - | - | - | II আমার আঁথির ক্লে০০০০

ধ্ ণ্ সা | সরারমামজ্ঞা I রা সা -1 | -1 -1 II স লি লে মি০শি০য়া০ র ও ০ ০ ০ R—সারাটি যামিনী জাগি

III সা সরা সা | ণ্ৰ্ণ ণ্ II ণ্ -সা সা | - া - গা II চ কো০ রী নি য় ত বু ০ রে ০ ০ ০

মা মপা পা | পধাধৰ্মা ৰ্মণা I ধা - | পৰ্মা <u>| - | - | | | | |</u>
আয় থিও ও জাতনেতনাও ভা ০ খাও ০ ০

ণা ধা পা । মা মপা পা I মজো রা া া া পা পনা I সে ভ ধু কাঁদিও তে জাও নে ০ ও আ জিও না না না না না **। গা না না । - । পা পা ।** বা হ তে বা হ তে বা ০ ধি ০ এ স

পা না সাঁ । রাজিরাসরি । রা - । জরা । - । রা - জরা । ম র ম খুলি য়া০ কা ০. দি ০ মো র

র্রি**স্ণিধি পা মা । জ্ঞারা** - শ্নামা । আছি হ'ল ০০০০

R-সারাট ঘামিনী জাগি

এস কনক অরুণ প্রাতে

এস উতলা পূবালী বাতে।

এস নবীন ধাম্ম সনে

এস কুন্দ কাশেরি বনে,

এস বিকচ কমলাসনে

এস সুরভি শেফালী সাথে।

0

٥

0

0

0

0

তব মেঘের মেখলাখানি
দাও স্থনীল গগনে টানি',
বন- মর্মার মধুবাণী
ওগো শোনাও শরতরাণী!
তব সাঁঝের শিশির দোলে
ঐ নীলারি নয়ন কোলে
জাগে জ্যোছনা হাসির রোলে
যত চক্র তারকা রাতে।

র্ -1 'র**র্গ** | -1 ু-1 -1 ম -1 -1 র म्। । -1 | -1 এ স o o o 0 0 ণা রা -1 সা পা মা জ্ঞা রজ্ঞা I 4 90 প্রা তে ক 21 পা মা | F পা জ্ঞা I জ্ঞা -মা I মপা মা ली বা তে ন্ত বা 0 o Ø লা পূ -স্ব স্ব I স্1 না না 4 न I না F प्रन স্ নে বী ০ ধা О ন ন ঋণ | ঋজি গৈ মা কা -না সা | -1 -1 I কা o 7\*1 র ব o ત્ન ন্ ରତୀ | ରତୀ ରତୀ ରତୀ । ରତୀରତୀରତ୍ରୀ |ରତ୍ରୀରତୀ-র୍জତୀ । লা ০ ম স০ নে বি ক Б ক স 0 এ পা পা | জা -মৰ্1 জৰ্ ঋৰ্। স্ব 97 न I পা ভি नौ সা থে র (\*1 ফা ফু 0 ٩ -1 II -मा -1 -1 -1 -1

অন্

সাসাII সাসপাপা ! পাপণদাপমা I জ্ঞা∹রা জ্ঞা ৷ - ৷ জ্ঞা দা નિ ভব মে ঘে০র মে খ০০ লা০ খা 0 জ্ঞাজনামজন | জুল ঋণ সা I ন্ ~সা সা | -জুল জুল জুল I ব নি ০ টা ০ নে গ क्र नी० न० १ রা রা I -জারজা-মা I -মা রা জা | জা ० गै० ० গো বা ধ ম ব ম ज्जुशा शा | गा मशा श्रा । पा - मा शा | - ग मा मणा I ও শ্ব০ত০ রা ০ ণী ০ ত না ০ CMIT না সাঁ| সাঁ স্থা ঋ্সাঁ I না -সাঁ সাঁ| -া সাঁ -জনাঁ I না ान o थे o বোর শিশিও রও দোঁ ০ ห้า ख्वी ख्वी ख्वी | ख्वी ख्वी ख्वी I अर्था-। मी | -ख्वी ख्वी ख्वी I কো ০ লে ০ জা नी ला ति न ४० न জর্মির্ম জর্জি ক্রিম্ম ম জর্ম বিজয়ি - বিজয়ি বি জ্যোছ০ না হা দি০ ব বো ০ য লে ণা স্থি স্থিমি সাম্পানি বা নিম্পানি বা নিমায় কা রা ০০ ০ ০ তে দ্রু তার০

কেন কুষ্ঠিত ওগো পাস্থ, ধীরে ধীরে যাবে গো যাবে কি ফিরে? হের অতন্ত্র নিশি শাস্ত নভ-নীড়ে

কি মায়া মাধবী ঘিরে

যাবে গো যাবে কি ফিরে?

আজি স্থমনদ মধু পবনে

ঘন পল্লব ছায় স্বপনে

জাগায়ে আমার মধু-সন্ধ্যার রজনীগন্ধাটিরে

যাবে গো যাবে কি ফিরে ?

আমি চক্ষের জলে বক্ষে ধরিব মিলন-সিন্ধুটীরে

তবু ঝরিতে দিব না নয়নের নীর

পরশ বিন্দুটিরে।

আমি হিয়ার স্থরভি ছড়ায়ে

রহিব তোমারে জড়ায়ে,

আমি প্রেমের বৃন্তে রাখিব বাঁধিয়া

মিলন ইন্দুটীরে।

যাবে গো যাবে কি ফিরে?

21 -া পধা -91 পধা ধা गगा II भा-नाना পা I না धौ ० ન્ রে ০ ন্ঠি পা গো ০ क न **₹** • હ -1 1 -1 -1 সা পা সগা I গা গা মা 1 মা -1 0 যা বে ০ গো शो যা বে রে o -রা রা রা রগা I সা সা সা সা -সা রা গরা শি ০ নি অ ত ন্ ক হে ফি ০ রে ০ o -11 -91 রা -**স**1 -রা রা -मा नो ড়ে 0 7 ন্ o न ०

6

বে

0

0

যা

বে

-मा-भा धा | ना र्मा-र्भा I - ' ना र्ना | र्माना **धा** । বী ঘি 🛰 0 0 কি ম1 য়া O 0 0 ম্† ধ ব্রে 0 যা বে ০ গো या o বে ০ 0 . 0 o शंशा श्रेमा शा | - । शा मा I शा - ना ना ना शा श्रेमा I কি০ ফি০ রে ০ কে ন কু ন ঠি ত ও গো০ -에 에 | - 에 어제 I 제 제 - 1 | 제 제 ধা थ o चा किo इस्मन्ति পা য ন नर्मा मर्भ । - भन्तर्भ तर्मा । नथा - मर्भ ना । धा भगा - भा । ল্ न ব हों ० ব ০ নে ० घ० न० 9 o স্ না | - ব - পথা - নৰ্মা না থা পনা | না না - বা I ধা জা 11 র্ য়ে ০ আ যা 9 নে 0 00 00 भा । - भा - । । भा ना मंगी । ती - गी গপা 21 द द अभी० १ न ম স ন্ ধ্যা ₹ 0 রা ৰ্মা -1 | -1 না ধা I পা - ' - ' । সরা

গো

0

0 0

যাত বেত

भूभा भूमा भा | - भा भा मा I भा - ना ना ना भा भूधा I কি০ ফি০ রে o (す न ঠি ত গো ০ কু ন্ -भा भा - । मा मा I मा - ता ता ता तमा मधा I ধা थ ० षा भि ६० एक त ५००० পা ন -शा शा | ता तमा गा । शा मा तमा | मा - गा । मा রা সি ন্ধু ব মি ল ধ রি ০ O F ব o (称 मा - १ | - १ श्रेश श्रेमा I ता तमा शा | ता मा मा I মা না ঝ রি০ তে দি ব 1 বে ০ ০ ড০ বৃ০ धा | धा धा - 1 I शा शक्षा धशा | मना शा शा I সা त्न त नी त भ त० भ० वि० भू ন য় ০ -পা-'|-' রারমাI গা-'' -'' সা সগাI পা ० ० ० य গো বে ০ বে ০ 0 0 যা রে 0 রারসাগরা | -সা পা পা I ধা না সাঁ | রার্গা গ্রা I हि ग्रांत इस्व० মি কি ফি০ রে০ ০ আ र्मना धनर्मा मी | - १ - १ - १ मी मी मी मी ना नर्मा I **ছ০** ড়াoo য়ে ০ ০ ০ র হি০ ব ভো মা রে০

शा क्ष्मी ना । न' शा भा मि शा मा मर्तती । গা न' গা मि ख ছা০ যে ০ আ মি প্রে মে র০ র ন ভে

রা র্গা গা । রা-সর্বাগা গা । গ্রা - সা ন' । ন' ন' ।

রা থি০ ব বা ০০০ ধি যা০ .০ ০ ০ ০

না ধা পা । মা ন' মা মা মা ন' । না গা মা মা
মি ল ন ই ন্ছ টী রে ০ ০ যা বে

পা ন' ন' । না সা সগা । রারগা গ্রা । না গা মা II
গো ০ ০ ০ যা বে০ কি ফি০ রে০ ০ কে ন

R—কৃষ্টিভ ওগোপাছ

এখনো রয়েছি দক্ষিণ দার খুলি' আসার আশায় দিবস ফুরায় বয়ে যায় গোধূলি— বন্ধু আমার, আমারে রহিলে ভুলি'। সাঁঝের আকাশ-নীড়ে তারাগুলি এলো ফিরে. মল্লিকা চাহে চাঁদের নয়নে আবেশে নয়ন তুলি'---বন্ধু আমার, আমারে রহিলে ভুলি'। আমি তো তোমারে পারি না ভুলিতে সকাল সাঁঝে, তোমার বিহনে কুঞ্জে আমার বিরহ রাজে। সব যদি গেল হায় শ্বতি কেন নাহি যায়, সে ফুলে কেমনে রাখিব ধরিয়া যে ফুল হতেছে ধূলি! বন্ধু আমার, আমারে রহিলে ভুলি'।

সা-দুপা পদা | -মপা-মজা জা I সরা জা | রসান্সা-রজা I -মা ক্ষ ৭০ ছাত ০ বৃ ০য়ে ছি о র P o 0 -91 | -W° I -मता -1 | -1 সা জা -1 I -1 সা সা ० नि যু 0 -1 I ন্ সা সজা | -4 -1 -1 I মা মদা -পমা | জ্ঞরা সা যায়্ ব রা য়্ नि ४० ŢΟ о 커 97 -7 -7 -7 -1 -1 II হ্মদা I সা লি 0 यू ধৃ ০ গো R-এখনো রয়েছি দক্ষিণ ছার খুলি'।

না সাঁ I ধনা ৰ্মা -4 | -4 -4 II A মা -পা ধা **শাঁঝের** मीo ए o o o **ভ**(† **4**1 \* ন্দান্দ্রার্জ্জ্রা। দ্ণাণ্ধাধনা I ন্দা -ধনা দা । -া -ণা I তাত রাতত গুত্ত বিত এত লত ফিত তত ₹त ० - ' ના | ના ના ના T ત્રકા કર્માર્મના | કા ત્રા পা I cit to to নে म ल्लि ० ह ० ग 4 য় ক↑ চা হে পা পধা ধপা । মা গমা রগমা 🛚 গা মা -া | -া -4 -1 T षा त्व त्भव म ४० म ०० छ नि ० ० জ্ঞা - 'I - জ্ঞা - শা - ' | - ' | - ' | I সা-জাজা রা ব 4 ধু আ মা 0 00 0 О র 0 0 ৰ্মা ণা । ধা -61 97 -1 I -981 -91 -1 -1 -1 -† T ન ধু আ म् ० 0 0 0 0 0 পা পথা धर्मथा । পমা মগা গমা I রগা মা -1 -1 -531 I আ মাত রে০০ রত হিত লেত ভুত बि ० ० ० मा -मुला लेला | -मुला -मुखा खा ा मुता -मा জা বিসা-ন্সা-রজা I এ ০খ নো০ ০র ০য়েছি ৮০ ০ কি ৭০ ০ছা ০র भा-भता - 1 - 1 - 1 II थू ० नि ० ० ०

R—এথনো রয়েছি দক্ষিণ দ্বার থুলি'

আ মি০ তো তোমা০ রে০০ পা রি০ না০ ভূ০ লি০ ভে০ धा का ना निर्मा का ना ना ना ना ना ना ना ना का न मां ० ७ ० ० ० ० ० ० স शमा मा - | मा मा शमशो I शमा - शा तमा | मता मता - स्रा I তো০ মার বিহু নে০০ কু০ ঞু জে০ আন০ মা০ র रङ्ग ० ० ० বি র ₹o ० ० औ भा मा भा । शा ना नर्भा । मही -मर्भा -। -ना -शा -। I ्मव हे य नि भाग गाँउ गाँउ । णा गर्ता ती | तंक्की मी ती I तंक्की -मंती नी नी नी नी नी I শুতি০কে ন০ নাহি যা০ ০০ ০ ০ গু र्तार्त्छको तर्मा । मंगा गा गा म श्रमा धर्मा मंगा । गा ধা M I সে ফু০ লে০ কে০ ম নে রা০ থি০ ব০ ধ शा श्रधा - ध्रशा । मा श्रमा तश्रमा I शा मा - १ | -१ -१ II नि ० ० ० ० ষে ফু০ ০ল হ ডে০ ছে০০ ধু

নিশীথ চাঁদের স্বপনে

়নয়নে আমার এলে কি?

মুছল গোপন চরণে

মরম পরশি' গেলে কি ?
বকুল মালাটি গাঁথিয়া
অলকে পরালে সাধিয়া,
পরাণে পরাণ বাঁধিয়া
চরণে গিয়েছ ঠেলে কি ?

আমার কানন ছায়াতে

কাঁদিছে বিরহী পাখী যে

আমার ভুলের মায়াতে

কুস্থনে রাঙানো শাখী যে ! তোমার এ ফুল মালারে দিল যে অনল জালারে, সাজায়ে ছথের ডালারে তোমার দরণ মেলে কি ?

মণা | ধপা মগা রগা I মা II গা মা পা 위 | -1 -1 -키 I নি থ ০ हां o एक उ স্থ প নে शा -मा I ता 11 धशा । 91 | -1 মা মা রমা -4 -† I র্ ক নে ০ মা ન य्र আ ٩ লৈ ০ পা | পা পথা ধপা I মা গা গপা গা রা | - 1 - নুরা - রমা I মৃ হ ০ ল গো १० न० Б র ণে গা গরা | সা ন্য ন্যা I ধ্য ধ্যা সা | - গ মা -† II ম o প র শিত কি গে লে ০ भ র R-निनीथ ठाँए त अभरत

I সনার্কা নধা । পগা গপা পধা I ধনা নর্গ সা । -নর্সা -ধঃ -ুনাঃ I ব০ কু০ ল০ মা০ লা০ টি০ গাঁ০ থি০ য়া ০০ ০ भा भना नर्भा । धना नर्ता र्त्रार्ता I मा ना मा । ना ना ना I অ ল০ কে০ প০রা০ লে০০ সা ধি য়া 0 0 না ना नक्षा | क्ष्रा शा क्ष्रा | मा मा मा मा | - १ - १ क्षा - मा | 1 রা ণেও পত রাণতত বাঁধিত যা ০ ০০ 9 ধা পা | মগা গা গমা I রা রমা গা | -া -া III র ণে গি০ য়ে ছ০ ১৯ লে০ কি ০ ০ ০ ৰ্মা Б র R-নিশীথ চাঁদের স্বপনে I शा शा -1 | ता मा न्मा I शा ध्मा मा | -1 -1 I মার কান ন০ ছায়া০ তে ০ আ ना ता गंभा | भा का गंभा I त्रां भंभा गंभा | -त्रां -ां -ां I ছে০ বি র হী০ পা০ থী০০ যে০ ০০ ০ কাঁ দি গা - পা | পা পা । গ পা পনা । - १ - १ ना - र्मा । গা বৃ ভু লে র মা০য়া০তে০ ০০০০০ আ ম্1 ধুপা | মা গা গুরা I সন্য সরা রা | - ব্রা-গুমা I ধা 21 নো০ শা০ খী০ যে ০ ০০ ০০ क् **7**5 মে০ রা ঙা গা -া|রাসণ ন্সাI ধ্য ধ্সাসা|-া -া -া I গা ন০ ছা য়া০ তে ০ ০ র কান মা

স্নার্কর্গ নধা | পা গা পা I ধনাপধনর্গ-স্থা | নর্মা -ধনা -্ণ I তাত মাত বত এ ফুল মাত লাততত ত বেত তত ত

পাপনা নরা | র্গা সা মা মসাধনা সা | -া -া I
দি ল০ যে০ অ০ ন ল জা০ লা০ রে ০ ০ ০

নধা ধপা পমা | মগা গরা রমা I সাঁ সনা নধা | -া -পধা -নসাঁ I

সাত জাত যেত হত থেত রত ডা লাত রেত ত ০০ ০০

**না ধা -না | মা গা গমা I রা রমা গা | -া -া IIII**তো মা ব্ দ র শ০ মে লে০ কি ০ ০ ০

R-निभीथ है। एन व अपरन

নম নম বরণীয়
জীবন প্রভাতে মন
মাধুরিমা এঁকে দিও।
কুস্থমে ফুটি গো যদি
বেখো পায় নিরবধি
অরুণ কিরণজালে
কর মোরে রমণীয়।

হে চির স্মরণ এস
আরতি প্রদীপ জ্বালি,
জ্বালিয়ে প্রেমের ধূপে
ঘূচাব মনের কালি।
এস তুমি বারে বারে
এস প্রাণে মনে আথিধারে
মনের দেউলে পূজা
সে পূজারে তুমি নিও।

মাগরা I সা না-সা | -1 মধা পা H স্ 91 ণী 0 ₹ 0 যু ম্ ব 7 ম OF 1 4 1 4 4 1 সা রগা রা 🛚 ন্ 31 সা রা ম ০ ম ভাত তে ङी ন 2 ব মা | -গমা -পা -া II গা -রগা রা | রা রা রা স সরা F 0 0 0 0 এ কে মা বি মা **វ** o না । ধা ধনা নর্রা ৷ স্ব -† I না -4 | -4 II M পনা मि ফুটি০ গো০ য মে কু **₹**0 र्मा । -নাধনানৰ্মা । ধনা ধা -পা । -া -1 স না ধি 0 য়ুনি০ র০ ব ০ পা বে খো भा । भा भर्मा र्मणा I धा -भा शा । -शा -ला গা মা লে 0 জা О কি র ০ 9 0 -1 -7 -7 -1 II 11 পা I মা ধা । পা মগা র্সা О য় ম্ ∢ 0 বে যো **~**...₹0

भा । भा भा भमा I तभा मा -भा । -भ II { \$1 গা সা ৰা I চি 9 O এ০ স 0 0 ٩ স হে র স্ম র मधा | धभा मा त्रंभा I मा -भा भा | - ' - ' I সা नि ० তি০ প্র০ দী প০ জা o আ র সা -4 | -4 ন্দা দা | না ন্দা দা I না नि ० प्ता <u>भाष</u> प्रकास विकास स्वास्त्र प्रकार জ্ব গা | রগা গপা পমা I গা -রা **新 | - 1 - 1 - 1 | I** রা 51 o ব মৃত্বেত্রত কা 0 লি 0 ঘূ र्भा । भा भंदा दर्भा I ना -र्भा र्मा । - । मी না নৰ্সা তু মি বাত রেত বা রে ٩ म ० 0 र्मा | ना धना नर्मा । धा -ना धा | -भा -। -। I ধা ম নে আঁ০ থি০ 9 ণে ধা O (3 মত নেত রত দেত উতলেত পূ 0 জা 0 র্সা ना धा | शा श्रेश ध्रेश I मा - शा - शा | - मा शा - गा IIII জারে তু০ মি০ নি ০ ০ ও ০ দে ০ পূ

## **√** কাহার্ঝ

গানের কমলখানি

দিতে চাই নিতে কেহ নাই।
আশাপাখী সারা বেলা
স্থরে স্থরে করে খেলা,
কেঁদে মরি নিশি ভোর
যারে চাই তারে নাহি পাই।
মোর গানে মালার মাধবী
কেঁদে বলে আমারে কে লবি।
বেদনার মালাখানি
ধূলায় লুটাবে জানি,
স্থপনে পেয়ে গো তারে

- II সাজ্ঞাপা-দাপা মা জ্ঞা-া I সা জ্ঞা-া-া-া-া-া I
  গানে ব ০ ক ম ল ০ গানি ০ ০ ০ ০ ০
  - প্রাদ্ধাসারা সামামজারা I শা ্বা বা বা বা বা বা III দিভে চাই নিভে কেও হ্নাই ০ ০ ০ ০ ০ ০
- - জ্ঞ শির্মা-পা। সর্গ শ শ । স্থা স্থা স্থা শা। দা শ । শ । স্থা স্থা স্থা শা। দা শ । শ । স্থা ব্যাহ্য ব্যাহ
  - পা-লাণাণলা|পা-া-া-মা I পা-লাণাণলা|-পা-া--লা I কে ০ দেন০ রি ০ ০ ০ নি ০ শি ভো০ র ০০০
  - মপাপমাজ্ঞা-রা|-জ্ঞা -1 -1 -1 II সা সজ্ঞা জ্ঞা রা|জ্ঞা -1 -1 -1 II
    যাতরে ০ চা ই ০ ০ ০ তা রে ০ না হি পা ই ০ ০

II {স্থা-মামামা | জ্ঞাপদামপাজ্ঞা I স্থা মা - ' - ' - ' - ' - ' I
মোত বুগানে মাতলাত বত মা ধত বী ০০০০০ ...

দ্ণাণৰ্মা-্ণা-া-া -া -া -া I সা-ঋাজ্ঞাজ্ঞখা সা-া-া-জ্ঞা I
কেঁ০ দে ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

জ্ঞাজ্ঞাজ্ঞা|জ্ঞা-রাজ্ঞা-শ} I ণাণদাদর্শা-ণদণ|-ণা-দা-ণা-ণ I আ মারে কে ল ০ বি ০ বে দ ০ না০ ০০ র্ ০ ০ ০

र्मा-র্রাজ্র রির্নির্কর নির্কর নির্কর বিশ্ব কিন্তু বিশ্ব কিন্তু বিশ্ব কাল

ণৰ্মা-ণদা-া-া-া-া -া -া I পা পদা পমা-ামপাপণাদামা I

-পামা-জ্ঞা-1|-1 -1 -1 -1 মাসজ্ঞাজ্ঞরাজ্ঞা|রা-জ্ঞা-1 IIII ০রে ০০০০০ অপ্নেচ্যাই ০০

## কাহার্বা

বন্ধুর রথ এল দারে, যদি তৃষ্ণায় চাহ তারি স্পর্শ প্রেমের পাত্র কেন উচ্ছল হ'লরে তুমি কেন হের বিচ্ছেদ স্বপ্ন, চক্ষের নিঝর ধারে! ভার আঁখিতে করিয়া আঁখি মগ্ন পদ্মের সৌরভ কাঁদে গো, অন্তরে জাগিবে রে হর্ষ। তোর কুষ্ঠিত পেতে প্রেম-সুধারে ? যৌবন-প্রাক্ষার কুঞ্জে তোর বক্ষে তুলিতে ওরে বাধে গো বাঞ্চিত ফিরে যাবে কাঁদিয়া, কেন অন্তরে কেন এত ক্ষুধারে ? যদি বদন্তে মধুকর গুঞ্জে হৃদয় হারাবি কেন কুণ্ঠা দিবি না রে মধু তারে সাধিয়া? কেন মৌন বীণাতে স্থুর কাঁদে গো মিলন সমুদ্রের পারে? যদি ঝঙ্কারে জাগাবি না তারে ? ্কন

मि । प्रवास भाषा भाषा भाषा भाषा भाषा ना ना ना ना मि व न्ध्रव व थ अ ल घा व ००००००

সাসজ্জাজা আ বি জাজাজা I জা-রাজারা জানাজা-পা I প্রেমে০ র পা ০ ম কে ন উ ০ ফ ল হ লরে ০

भामा छका-मा|मा-शामा छका I छका-मा छका-1|-1 -1 छका मा I ह एक द ० नि० वर्ष व था० दा००० य वि

মা-পাপামা-পামজাজ্ঞমা I মামপাপা-গা-গ মা মা I প ০ লোৱ দৌ০ র০ ভ০ কালে০ গো০ ০ ০ কে ন

মা-পাপাপামামপামাজনা I সাসমামা-গা-গাজন সা III শেকুন্ঠিত পেতে০ঞাম হাগ০বে০০০ 'য দি'

- - জ্ঞা-মাপাণা|র্মিসাণাপা I জ্ঞাজ্ঞপাপা-মা|-া -া সা না I অ নুতরে কে নুএ ভ কুধাতরে ০ ০ য দি
  - সাসজ্ঞা-জ্ঞাসা|সজ্ঞাজ্ঞাসাসজ্ঞা I জ্ঞা-সা সা 1 | 1 | 1 | জ্ঞা মা I হ দ০ খুহা ৱা০বিকেন০ কুন্ঠা০০০এ ই
  - মা পা পা | র্ণ শ গা I স্থা শ শ শ শ শ শ দা II

    মি ল ন স মূ ০ জে র পা ০ রে ০ ০ ০ ' ফ দি'
- भागामाभा-भाभाभा मिर्भ भा भा भा भा भा -।।-। -। खा भा म य कि ए ० क्षाय हा इ ख कि भा ० र्न ० ० ० ० ०
  - মামপাপাপা-া দাপা I মা-পামা-জ্ঞা-া- ভঞা-সা I কেন০ হে ব বি ০ ছে দ খ প্ন ০ ০ ০ জো বু
  - জ্ঞাজনপাপাপাপমাধাপা I জ্ঞা-রাসা-গা-গ প্র্ আঁথি০ তেক রিয়া০ আঁথি ম গ্ন ০ ০ ০ তোর
  - না-সাসাসাসজাজাসা I পা-জাপা-া-া-া-া না-া I অ নুভ রে জাগি০ বে রে হ ০ বঁ০ ০ ০ ভোর
  - না-সাসিমিনি নাসামার কিনাসা-মানামার কিবল জাত কার কু০ লে ০০০ কেন
  - স্মি-জন্মি সিমি সিজনি সিনা মি সাজনি জনি । বা ০ ছি ত ফি রে০ যাবে০ কা দি য়া ০ ০০ য দি

জ্ঞাজিরামামা।জ্ঞাজিপিমিজিয়ারিয় মানানানা ব ব স০ ন্ভে ম ধৃ০ ক০ ব ভ জে ০ ০ ০ কে ন

নানসাসি-পা|- ' সর্বার্সাI নানর্বারা সাখি ধর্মাসণাণা I দিবিত না ০ ০ ০ কে০ ন০ দিবিত নারে মধুত ভাতরে

পাপণাধা-পা|-া না মা মা না মা -পাপাপাপাপা পা-দা I শাধি০ য়া ০ ০ ০ য দি মৌ ০ ন বী ণাতে হ র

মামপাম্ভু-জ্ঞাঃ | া -া জ্ঞা মা II মা -পা পা দা | পা মা জ্ঞারমা I কাদে ০ গো ০ ০ ০ কে ন ঝ ঙ্কারে জাগাবি না০

সরা -না সা -1 | -1 | -1 | জ্ঞা সা IIIII
ভা০ ০ রে ০ ০ ০ 'ব | দি'

## দাদ্রা

বালুকা বেলায় অলস খেলায়
যায় বেলা,
মন দেয়া নেয়া সারাদিন রাতি
একি খেলা!
চরণ চিহ্ন গড়ি'
স্কুজন পাস্থ এই পথে গেছে
মরি গো মরি!
নিয়ে গেল মালা
অনাদরে রচা অকরুণ হেলা।
হায়, বিরহিনী রে
বালুকার নীড় মিছে কেন বাঁধো
মরণ-সাগর তীরে!
আঁখি নীরে বাঁশী থেমে যায়
হাসি নিভে যায়, ভেসে যায়
স্থুখ ভেলা!

মপা | मा अक्षा - नर्मा I था ना र्मना | धा भा -81 24 II A লা০ যু০ অ ল Я о বা লু ০ কা বে থে -1 I -1 -1 -1 -1 2 পা -1 -1 -† I 0 বে লা 0 0 । পा পधा পधर्मना I -গা ধা 21 মা | -গরা সনা সা রা मि ন্০ রা০ ডি ન્ রা ম CH য়া নে০ য়া০০০ সা রগা গপা -মা গা রা -1 I মা -24 পা | পা -1 এ০ কি০ থে म ब्र 0 যা বে লা 0 R-वानुका विनीय

- - সাঁসরারা | সরা-সমা পা I রগারা সা | না ধা পা I হুজ্ব ন পা০ ০নুথ এ০ ই পুথে গেছে
  - গা পা ধনৰ্মা | ধনা ধা 1 I মা মপা পা | পধা পধা মণা I মা রি গোতে মত রি ০ নি যেত গে লত মত ০০
  - **धा -পা -া -া -া I সা সরা রা রা রা II** লা ০ ০ ০ ০ ০ নি য়ে০ গে ল মা লা
  - রা রমা গা রগা রা সা I রা গা মা | পাপধাধর্মণা I অ না০ দ রে০ র চা অ ক ক ণ অ০ব০০
  - **ণধা -পধা পা | -া -া II** হে০ ০০ লা ০ ০

R—মন দেয়া নেয়া সারাদিন রাতি একি থেলা

- - না সৰ্গ নধা । পা পধা -না I না না নৰ্সা । ধনৰ্সা নধা পা II
    াবা লুকাত ব নীত ড় মি ছে কেত নতত বাঁত ধা

मा मि ना भा भा भा निर्मा धना धना भा ना ना ना मा म व ० व मा भ व ० ची० व्य० ० ० ०

পা থনা -সাঁ । থনা থপা -পা I রা রমা মা । মগা -রগারা I আঁথি ০ নী ০ রে০ ০ বা শী ০ থে মে০ ০০ যা

-সা -া -া -া -া -া I সা সরা রা | রগা রা -গা I
য় ০ ০ ০ ০ ০ বা শী০ থে মে০ যা য়

মা মপা পা | পা পধা নৰ্মা I সাৰ্মগা গ্ৰ্মা ধণা I হা সি০ নি ভে যা০ য়০ ভে সে০ যা০ য় হা০ ধ০

R—বালুকা বেলায় অলস খেলায় যায় বেল

শেষ







